तापमान

अधिकतम 32.7 डिग्री

न्यूनतम 22.0 डिग्री

हरिभूमि
बिलासपुर भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025

बिल्हा | मस्तूरी | तखतपुर | मुंगेली | कोटा | लोरमी | सरगांव | पेंड्रा | बेलतरा | रतनपुर | पथरिया

सौंदर्यीकरण के लिए बनाया गया राजेंद्र नगर का झरना बंद।

खबर संक्षेप

रिश्तेदार को सहयोग टीआई लाइन अटैच

बिलासपुर। एसएसपी ने जमीन विवाद में रिश्तेदार का सहयोग करने की शिकायत पर सरकण्डा टीआई को लाइन अटैच कर दिया है। सूत्रों के अनुसार पुराना सरकण्डा माता चौरा के पास दो पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पिछले दिनों उक्त जमीन का पटवारी सीमांकन कराने आए। विवाद की स्थिति को देखते सरकण्डा पुलिस मौके पर तैनात थी। बताया जाता है उसमें से एक पक्ष सरकण्डा टीआई निलेश पाण्डेय का रिश्तेदार थे। दूसरे पक्ष ने एसएसपी से सरकण्डा टीआई पर दूसरे पक्ष का सहयोग करने व पुलिस बल के द्वारा दबाव बनाते हुए जमीन पर कब्जा कराने की शिकायत की। एसएसपी रजनेश सिंह ने शिकायत को गंभीरता से लेते टीआई निलेश पाण्डेय को लाइन अटैच कर दिया है। वहीं सकरी टीआई प्रदीप आर्या को सरकण्डा व पुलिस लाइन में पदस्थ टीआई विजय कुमार चौधरी को सकरी थाना प्रभारी बनाया गया है।

ब्रिज के नीचे सौंदर्यीकरण की हालत जर्जर

बिलासपुर। महाराणा प्रताप चौक पर स्थित ओवरब्रिज के नीचे किए गए सौंदर्यीकरण की हालत जर्जर हो गई है, जिसे देखने वाला भी कोई नहीं है। इंदू चौक से आगे जेपी वर्मा आर्टस एवं कामर्स कालेज से लेकर तिफरा सीएसईबी कार्यालय तक ओवरब्रिज का निर्माण कार्य किया गया है। इसके बावजूद महाराणा प्रताप चौक में लोगों की भीड़ नियंत्रण पर कोई असर नहीं हो सका है। ओवरब्रिज बनाने के बाद महाराणा प्रताप चौक के नीचे वाले हिस्से में छायादार और फलदार पौधों को लगाकर गार्डन बनाने के साथ सौंदर्यीकरण किया गया था। प्रशासन का यह कार्य कुछ दिन तक लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा। इसके उपरांत सौंदर्यीकरण को संभालने की ओर किसी का ध्यान नहीं गया, जिसके कारण इसकी हालत दिन प्रतिदिन बद से बदतर होती जा रही है।

खुले ट्रांसफार्मर से दुर्घटना की आशंका

बिलासपुर। बृहस्पति बाजार में ट्रांसफार्मर में किसी तरह का गेट नहीं लगने के कारण बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित ने बिजली सप्लाई के लिए सब स्टेशन के साथ जगह-जगह ट्रांसफार्मर भी लगाया हुआ है। ट्रांसफार्मर में 300 से 400 घर में बिजली सप्लाई होती है, जिसमें थ्री फेस कनेक्शन होते हैं। कई ट्रांसफार्मर ऐसे हैं, जिसमें ग्रिप तक नहीं लगाए गए हैं। इसी तरह की स्थिति बृहस्पति बाजार में लगाए गए ट्रांसफार्मर की भी है, जहां ट्रांसफार्मर का गेट खुला होने के साथ ही तीनों फेस के करंट को तार के माध्यम से सप्लाई किए जा रहे हैं। इसमें आए दिन चिंगारी निकलने के कारण बड़ी दुर्घटना होने की आशंका है।

हरदेव लाल मंदिर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 26 को

बिलासपुर। गायत्री शक्तिशीठ और हरदेव लाल भगवती मंदिर के सौजन्य से 26 अक्टूबर रविवार को हरदेव लाल मंदिर प्रांगण गोल बाजार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर सुबह 8 बजे से 10 बजे तक रहेगा। इसमें डा. शुभाशीष महतो, डा. आलोक सुल्तानिया, डा. महेन्द्र प्रसाद सामल, डा. गीता विश्वकर्मा, डा. एसबी सिंह, डा. प्रियंका नेताम अपनी सेवाएं देंगी।

7 दिन में 1 लाख 43 हजार बच्चों की बनानी होगी अपार आईडी

- साल भर में अभी तक 4 लाख 4139 बच्चों में से सिर्फ 2 लाख 61 हजार छात्रों की ही आईडी बनी
- आईडी बनाने में जिला अंतिम पायदानों में से है एक, प्रदेश स्तर से इस संबंध में जवाब भी मांगा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बिलासपुर जिला अपार आईडी बनाने में पिछड़ रहा है। साल भर बीतने को है, लेकिन अभी तक कुल 4 लाख 4139 बच्चों में से सिर्फ 2 लाख 61 हजार छात्रों की ही आईडी बन सकी है। इधर आईडी बनाने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर रख दी गई है। साफ है 7 दिनों में एक लाख 43 हजार बच्चों की आईडी बनाने की चुनौती है। लापरवाही और देरी के मामले में जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले के 1200 अधिक निजी और सरकारी स्कूलों को नोटिस जारी किया गया है।

प्रदेश में अपार आईडी बनाने में जिला अंतिम पायदानों में से है। प्रदेश स्तर से इस संबंध में जवाब भी मांगा गया है। गौरतलब है कि छात्रों की कुंडली बनाने के लिए शासन स्तर से नई योजना बनाई है। जिसमें स्कूलों में कक्षा पहली से 12 वीं तक प्रत्येक छात्रों की अपार आईडी बनाना है। अपार आईडी एक डिजिटल आईडी कार्ड है। जिसमें छात्रों के शैक्षणिक रिकार्ड के एक स्थान में अपलोड कर सुरक्षित रखना है। इस योजना में प्री प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक की जानकारी अपडेट रखना है। इसके तहत प्रत्येक छात्रों का आधार कार्ड से जोड़कर छात्रों की मार्कशीट, डिग्री, सर्टिफिकेट और अन्य जानकारी अपडेट रखना है। डीईओ विजय तांडे ने बताया कि अपार आईडी बनाने में कई तरह की व्यावहारिक दिक्कतें सामने आ रही है।

लापरवाही पर 1200 अधिक निजी और सरकारी स्कूलों को नोटिस

इस तरह आ रही दिक्कतें

अपार आईडी बनाने के लिए शहर सहित ग्रामीण अंचलों में कई तरह की व्यावहारिक दिक्कतें सामने आ रही है। अशिक्षा कहें या अज्ञानता आज के दौर में भी कई अभिभावक अपने बेटों या बेटियों का जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनवा पाए हैं। इसके अलावा कई छात्रों का अब तक आधार कार्ड नहीं बन पाया है। इसके चलते अपार आईडी का कोरम पूरा नहीं हो पा रहा है। इसके चलते योजना के तहत टारगेट पूरा करने में शिक्षकों को पसीना आ रहा है।

जारी किया गया है नोटिस

अपार आईडी बनाने में कई तरह की व्यावहारिक दिक्कतें सामने आ रही है। स्कूलों को भी लापरवाही के मामले में नोटिस जारी किया गया है। प्रत्येक छात्रों का आधार कार्ड से जोड़कर छात्रों की मार्कशीट, डिग्री, सर्टिफिकेट और अन्य जानकारी अपडेट रखना है।

- विजय तांडे, जिला शिक्षा अधिकारी

अपार आईडी बनाने में आ रही चुनौतियां

- कई छात्रों के आधार कार्ड में नाम या जन्मतिथि जैसी गलतियां हैं, जिससे आईडी नहीं बन पा रही है
- गलत जानकारी दर्ज होना, या एक ही मोबाइल नंबर से बहुत सारे छात्रों का पंजीकरण
- अभिभावकों द्वारा आधार लिंकिंग में देरी के कारण सबसे अधिक परेशानी हो रही
- स्कूल स्तर पर सत्यापन में विलंब होने के कारण छात्रों की आईडी में देरी
- लॉगिन की समस्या के कारण अपार आईडी डिजीलाकर में दिखाई नहीं दे रही है

अपार आईडी के लिए यह जरूरी शर्तें

- केवल भारतीय नागरिकों के लिए अपार आईडी है
- छात्रों की न्यूनतम उम्र 5 साल अनिवार्य है
- छात्रों का मान्यता प्राप्त स्कूल, कालेज या संस्थान का नाम होना जरूरी
- अपार आईडी बनाने के लिए माता पिता की अनुमति जरूरी है
- अपार आईडी बनाने के लिए बर्थ सर्टिफिकेट व आधार कार्ड का होना जरूरी है

बार-बार रजिस्ट्रेशन करवाने की जरुरत नहीं

गौरतलब है कि शिक्षा सत्र 2026-27 से छत्तीसगढ़ के छात्रों को बार-बार रजिस्ट्रेशन करवाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। अब छात्रों को नर्सरी कक्षा में एडमिशन लेने के लिए उन्हें एक 'अपार' नंबर मिलेगा। यह नंबर हमेशा एक ही रहेगा। इस नए सिस्टम से विद्यार्थियों को शिक्षा के अलग-अलग लेवल पर बार-बार पंजीकरण कराने की झंझट से मुक्ति मिलेगी और उनका काम आसान हो जाएगा। यह नया 'अपार' नंबर स्कूली और उच्च शिक्षा के सारे रिकॉर्ड को एक ही जगह रखेगा। पहले छात्रों को 9 वीं से 12वीं कक्षा तक पढ़ने के बाद कॉलेज में अलग से रजिस्ट्रेशन कराना पड़ता था। अब इस नई व्यवस्था से विद्यार्थियों को बार-बार अलग-अलग नंबर याद रखने की जरूरत नहीं होगी। इससे यह जानने में मदद मिलेगी कि कितने छात्र लगातार पढ़ाई कर रहे हैं और कितने बीच में पढ़ाई छोड़ रहे हैं।

थाने में दोनों पक्षों के हमलावरों की जमकर खातिरदारी की गई

रिवरव्यू में दो गुटों के बीच मारपीट वीडियो वायरल होते ही 4 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

बीती रात रिवरव्यू में लड़कियों को कमेंट करने पर दो गुटों के बीच जमकर मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने से हड़कंप मच गया। एक गुट एक युवक को उठाकर सड़क पर पटकते नजर आ रहा था। आनन फानन में पुलिस मौके पर पहुंचकर नाबालिग सहित 4 युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

सिविल लाइन पुलिस के अनुसार, क्षेत्र की रहने वाली एक युवती अपनी सहेली, भाई व उसके दोस्त के साथ स्कूटी व बाइक से घूमने के लिए निकले थे। रात 9.30 बजे न्यू रिवरव्यू मोड़ के पास स्कूटी व बाइक खड़ी कर वे आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान लाला रजक, संदीप कश्यप आकर दोनों युवतियों को कमेंट करने लगे। युवती ने मना किया तो दोनों युवक गाली गलौज करने लगे। युवती के नाबालिग भाई व दोस्त ने मना किया तो गाली गलौज करते हुए वे मारपीट करने लगे। विरोध में नाबालिग व उसके दोस्त ने भी दोनों युवकों के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। नाबालिग एक युवक को पकड़कर उठाकर पटक रहा था। इसी दौरान आसपास में खड़े लोगों ने मोबाइल में वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। उसके बाद सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह परिहार सिविल लाइन पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस मारपीट करने वाले दोनों पक्षों के लड़कों को लेकर थाने चली गई। थाने में गुण्डागर्दी करने पर दोनों पक्षों के हमलावरों की जमकर खातिरदारी की गई। पुलिस ने युवती की रिपोर्ट पर बीएनएस की धारा 296, 351, 2, 115, 2, 3, 5 के तहत हमलावर लाला रजक, संदीप कश्यप व लाला रजक की रिपोर्ट पर बीएनएस की धारा 126, 2, 296, 351, 2, 115, 2, 3, 5 के तहत नागेश बंजारे व नाबालिग को गिरफ्तार कर पृथक से प्रतिबंधात्क कार्रवाई की है।

सिविल लाइन थाने में लगी भीड़।

गिरफ्तार आरोपी।

दीपावली की रात जमकर मचा था हंगामा

न्यू रिवरव्यू में शाम ढलते ही युवक युवतियों की भीड़ उमड़ जाती है। फुटपाथ पर युवक युवती मस्ती करते रहते हैं और बाइक में बैठकर घण्टों बातचीत करते रहते हैं। दीपावली की रात यहां असामाजिक तत्वों के द्वारा बेखौफ बेलगाम तरीके से आतिशबाजी कर हंगामा मचाया गया था। आने जाने लोगों के वाहनों पर जलता पटाखा फेंका जा रहा था। आतिशबाजी से एक गाड़ी में आग लग गई थी।

पकड़े गए आरोपी।

बैराज में गैंग बनाकर उपद्रव मचाने वाले 7 युवक पकड़े गए, एक के पास मिला चाकू

बैराज में गैंग बनाकर उपद्रव मचाते हुए आने जाने वालों को परेशान करने वाले 7 युवकों को पुलिस ने पकड़ लिया है। एक युवक के पास से चाकू मिला है। पुलिस ने युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। 23 अक्टूबर को सरकण्डा पुलिस को सूचना मिली कि शिवघाट स्थित अरपा बैराज में कुछ युवक गैंग बनाकर उपद्रव मचाते हुए आने जाने वालों से मारपीट कर परेशान कर रहे हैं। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर सरकण्डा निवासी कान्हा रजक पिता किर्ती रजक 19 साल, महावीर नेताम पिता ब्यास नारायण नेताम 26 साल, रिगु ठाकुर पिता प्रशांत सिंह 23 साल, राज पाली उर्फ सोमू पिता अजय पाली 22 साल, सागर काले उर्फ बौना पिता राजेश काले 20 साल, लक्की यादव पिता धर्मेंद्र यादव 23 साल, लक्की साहू पिता ओंकार प्रसाद साहू 19 साल को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर कान्हा रजक के पास से बटनदार चाकू मिला। पुलिस उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की कार्रवाई की गई। वहीं 6 युवकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

अधिकारी और ठेकेदारों ने लुटाए करोड़ों रूपए

नदियों से पानी लाने में बड़ी चुनौती दिसंबर से पहले करना होगा काम पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सरफेस वाटर यानी नदियों से पानी लाकर 93 गांवों में निस्तारी कराने की योजना सफेद हाथी साबित हो रही है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए जा रहे निर्माण कार्य का औसत काम 60 फीसदी ही हो सका है। ऐसे में इस साल भी गर्मी के दिनो में लोगों को पानी के लिए जूझना पड़ सकता है। सरफेस वाटर के लिए 6 माह में ही काम पूरा किया जाना था, लेकिन ढाई साल बाद भी काम अधूरा है।

- जल जीवन मिशन का काम ढाई साल बाद भी अधूरा

जल जीवन मिशन द्वारा गांवों के हर घर में स्वच्छ पीने का पानी पहुंचाने का जिम्मा पीएचई को दिया गया है, केन्द्र की योजना भ्रष्टाचार में फंसे अधिकारियों के चलते धीमी गति से चल रही है। वहीं ठेकेदारों के मनमानेपन से काम करने की नियत से यह अधर में पहुंच गई है। विभाग ने करोड़ों रूपए फूंक दिए हैं, बावजूद इसके काम अधूरा है। हाल ही में समूह जल प्रदाय स्कीम के तहत अब नदियों से पानी लेकर गांव में पहुंचाने का प्लान बनाया गया था, जिसमें मंगला-पासीद व हरदी-भाठचौरा के तहत शिवनाथ नदी, अरपा भैंसाझार से अरपा, और चपोरा के लिए चांपी जलाशय से पानी से गांवों में सप्लाई की जाएगी। इससे 93 गांवों के रहवासियों की प्यास बुझाने का दावा किया गया था, लेकिन अरपा-भैसाझार 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है व बाकी नदियों में 60 फीसदी ही काम हो सका है। वहीं ज्यादातर सिविल काम अभी भी पूरे नहीं हो सके हैं। ऐसे में इस साल भी 93 गांव के लोगों को पानी के लिए प्राकृतिक संसाधन पर ही निर्भर रहना पड़ सकता है।

ठेकेदारों को किया गया सस्पेंड

जल जीवन मिशन शुरू से ही सवालों के घेरे में रही है। जल जीवन मिशन के ठेकेदारों के द्वारा गुणवत्ताहीन कार्य किया गया और मामले में जिले के ही दो अधिकारी भ्रष्टाचार में संलिप्त पाए गए और सस्पेंड भी कर दिया है। इसके बाद हाल ही में मिशन के अंतर्गत खराब काम करने वाले 6 ठेकेदारों को सस्पेंड कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि योजना के तहत हरदी भठचौरा के पास शिवनाथ नदी में किए जाने वाले काम का ठेका दोबारा किया जाना है।

दिसंबर तक पूरा करना है काम

अरपा भैंसाझार में 70 फीसदी से अधिक का काम हो चुका है। जबकि चपोरा, मंगला -पासीद में 60 फीसदी काम किया गया है। दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। वहीं हरदी भठचौरा के लिए टेंडर किया गया है।

-हर्ष कवीर, ईई, पीएचई

ढाई लाख लोगों तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य

मिशन के तहत पहले चरण में 2 लाख 49 हजार घरों में जल जीवन मिशन का पानी पहुंचाना था, लेकिन 3 साल में विभाग ने महज 1 लाख घरों में ही पानी पहुंचा पाया है। ऐसे में अगले 4 माह के अंदर डेढ़ लाख से ज्यादा घरों में पानी पहुंचाना विभाग के लिए चुनौती है।

मस्तूरी ब्लॉक के बेलतरा और सुकुलकारी का मामला, चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने दिया आदेश

गायों की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने पशुपालन व पशु चिकित्सा विभाग के प्रमुख सचिव से शपथ पत्र में मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने विभागीय लापरवाही से गायों की मौत होने के मामले में संज्ञान लेते हुए पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के प्रमुख सचिव से शपथ पत्र पर जवाब मांगा है। एक समाचार को जनहित याचिका के रूप में स्वीकार करते हुए चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने यह आदेश दिया है।

हाईकोर्ट में यह स्वप्रेरणा जनहित याचिका आज प्रकाशित एक समाचार के आधार पर पंजीकृत की गई है जिसका शीर्षक बेलतरा व सुकलकारी बने कब्रगाह भूख-प्यास से तड़पकर मर रही गायें। इस मामले में दीपावली अवकाश के बाद भी चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की। इस समाचार रिपोर्ट में बताया गया कि मस्तूरी ब्लॉक के बेलतरा और सुकुलकारी क्षेत्रों में मवेशियों की लगातार मौत हो रही है। अस्थाई रूप से रखे गए गाय उचित प्रबंधन भोजन, पानी और चिकित्सा देखभाल के अभाव में मर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार बेलतरा में एक दर्जन से अधिक और सुकुलकारी में 4 गायों की मौत हो चुकी है। लेकिन

पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी इस बारे में अनभिज्ञ है। शासन-प्रशासन गायों की सुरक्षा के लिए प्रतिदिन योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है। इस बीच विभाग पर निष्क्रियता और असंवेदनशीलता का आरोप लगाया जा रहा है। बड़ी संख्या में गायों की मौत ने पशु चिकित्सा विभाग की उदासीनता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गायों को बेलतरा के मिनी स्टेडियम के एक दलदली और कीचड़ भरे कमरे में रखा गया था। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि लगभग 10 दिन पहले मवेशियों के उचित प्रबंधन और देखभाल तथा पर्याप्त भोजन-पानी के अभाव में एक दर्जन से ज्यादा गायों की मौत हो गई थी। जमीनी हालात बिलकुल अलग है। मवेशियों के लिए न तो भोजन की व्यवस्था है और न ही चिकित्सा की। दो तस्वीरें भी प्रकाशित की गई जो मौजूदा दयनीय स्थिति दिखाती है।

राज्य की ओर से उपस्थित शासकीय अधिवक्ता अजीत सिंह ने दलील दी कि उन्हें निर्देश प्राप्त करने के लिए कुछ समय दिया जाए। प्रथम दृष्टया, उपरोक्त समाचार रिपोर्ट पशु चिकित्सा विभाग और संबंधित स्थानीय अधिकारियों की ओ से गंभीर प्रशासनिक चूक दर्शाती है, जिसपर राज्य शासन को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके मद्देनजर कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार के पशुपालन विभाग एवं पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के प्रमुख सचिव को अगली सुनवाई की तारीख से पहले समाचार रिपोर्ट के संबंध में अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इस मामले को 27 अक्टूबर को पुनः सूचीबद्ध किया गया है।

पीछा नहीं छोड़ रही गर्मी ठंड का हो रहा इंतजार

बिलासपुर। बारिश की विदाई होने के बाद अब ठंड का इंतजार किया जा रहा है, परन्तु अब भी गर्मी पीछा नहीं छोड़ रही है। दिन का तापमान लगातार 32 डिग्री से अधिक बना हुआ है, न्यूनतम तापमान भी 22 डिग्री से कम नहीं हो रहा है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग पंखे, एसी चला रहे हैं, जिससे मौसमी बीमारी अपना रौद्र रूप दिखा रही है।

- दिन का तापमान 32 डिग्री से अधिक

आमतौर पर नवरात्रि के बाद तापमान तेजी से कम होने लगता है। दिन में भले ही तेज धूप निकलती है, परन्तु रातें ठंडी होने लगती हैं। इस साल हुई अत्यधिक वर्षा को देखते हुए ठंड जल्दी आने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन अब तक मौसम ने इसके विपरीत तेवर दिखाए हैं। दिन में तेज धूप निकल रही है, आसमान पर हल्के बादल भी छाए रहते हैं, जिससे तापमान तेजी से बढ़ जाता है। गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले एक महीने से दिन का तापमान इसी के आसपास दर्ज किया जाता रहा है। दिन के अलावा रात का न्यूनतम तापमान भी 22 डिग्री से अधिक दर्ज किया जा रहा है, इससे दिन की अपेक्षा रात में गर्मी से कुछ राहत मिलती है, लेकिन ठंड का अहसास नहीं होता है। मौसम के इस उतार चढ़ाव का प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर तेजी से पड़ रहा है। इन दिनों घरों घर सर्दी, खांसी और बुखार से पीड़ित मरीज पाए जा रहे हैं। सरकारी और निजी अस्पतालों में मौसमी बीमारी से पीड़ित मरीजों की ही अधिक भीड़ देखी जा रही है। बुजुर्ग और बच्चे मौसमी बीमारी से अधिक पीड़ित हो रहे हैं।

खबर संक्षेप

मुर्राभाठा में वस्त्रदान और प्रसाद वितरण कार्यक्रम

बिलासपुर। दीपावली पर्व पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने जज्बा वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से मुर्राभाठा क्षेत्र में वस्त्रदान एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव जितेन्द्र कुमार साहू के मार्गदर्शन तथा जिला मुख्य आयुक्त चन्द्र प्रकाश बाजपेयी, जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त स्काउट विजय टांडे और राज्य संगठन आयुक्त स्काउट विजय कुमार यादव के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ गाइडर श्रीमती पुष्पा शर्मा एवं जिला संगठन आयुक्त गाइड डॉ. पूनम सिंह के सहयोग से स्काउट-गाइड ने क्षेत्र के गरीब परिवारों के बच्चों तक पहुंचाकर कपड़े और खाने हेतु प्रसाद वितरित किया। जज्बा वेलफेयर सोसायटी से संजय मतलानी ने समाज सेवा के इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में रोवर स्काउट लीडर सूर्यकांत खूंटे, गाइड-काम्या मरकाम, खूशबू पटेल, प्राची बर्मन, प्रकाश साहू, दिव्य दास, आकृती सिंह जिले के स्काउट-गाइड, रोवर्स-रेंजर्स उपस्थित रहें।

रमन विवि ने डॉ विवेक व डॉ अर्चना को दी पीएचडी की उपाधि

बिलासपुर। डॉ सी व्ही रामन विश्वविद्यालय में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह में डॉ विवेक तिवारी को शोध प्रबंध राजभाषा के निष्कर्ष पर छत्तीसगढ़ी पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया है। इसी तरह डॉ अर्चना तिवारी को भूगोल विषयक शोध प्रबंध कोटा विकास खंड के जलग्रहण क्षेत्रों का भौगौलिक विश्लेषण पर राज्यपाल द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है।

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में संभागीय बैठक 29 को

बिलासपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2025 की समीक्षा तथा रबी वर्ष 2025-26 के कार्यक्रम निर्धारण के लिए संभागीय बैठक 29 अक्टूबर को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार कोरबा में होगी। बैठक में संभागायुक्त बिलासपुर, संचालक कृषि, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, पशुपालन, मछली पालन, समेती, प्रबंध संचालक, बीज निगम, मार्कफेड, बीज प्रमाणीकरण संस्था, अपेक्स बैंक, मण्डी बोर्ड, दुग्ध महासंघ, विद्युत वितरण कंपनी छ.ग., प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छग राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी, रायपुर, पंजीयक सहकारी संस्थाएं छग, निर्देशक, अनुसंधान सेवाएं, विस्तार सेवाएं, इं.गां.कृ.वि.वि. रायपुर छग, दाउ श्री कामधेनु, विवि अंजोरा दुर्ग, क्षेत्रीय प्रबंधक नाबार्ड एवं विभागों के राज्य स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

5 विषयों में होगा सीएसआईआरनेट आवेदन की अंतिम तिथि आज

बिलासपुर। सीएसआईआर यूजीसी नेट एग्जाम पांच विषयों के लिए होगा। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 24 अक्टूबर तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से 18 दिसंबर को यह आयोजित की जाएगी। जिन पांच विषयों के लिए यह परीक्षा आयोजित की जाती है, उसमें पहला विषय है- केमिकल साइंसेस है। दूसरा अर्थ, एटमोस्फियरिक ओसियन एवं प्लेनेटरी साइंसेस। तीसरा लाइफ साइसेंस, चौथा मैथेमेटिकल साइंसेस और पांचवां है फिजिकल साइंसेस। आवेदन के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 55 फीसदी अंकों के साथ मास्टर डिग्री या चार साल की बैचलर डिग्री होनी चाहिए। पीजी फाइनल ईयर के छात्र भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा शुल्क सामान्य वर्ग 1150, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी 600 रुपए। एससी, एसटी व अन्य के लिए 325 रुपए है। विस्तृत जानकारी वेबसाइट https://csirnet.nta.nic.in पर है।

'टेक्नोलॉजी' की मदद से आसान होगी किसानों की राह

बिलासपुर। सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर धान बेचने में किसानों को टेक्नोलॉजी की भरपूर मदद मिलेगी। तुहंर टोकन मोबाईल एप के जरिए किसानों को घर बैठे ही टोकन प्राप्त हो सकेगा, जिसका उपयोग वे अगले एक सप्ताह तक कभी भी कर सकेंगे। किसानों को अपने एंड्रायड मोबाईल में तुंहर टोकन मोबाईल एप डाऊनलोड करना होगा। इसके बाद एप में पूछे जाने वाले विकल्प भरकर खुद ही टोकन जारी किया जा सकेगा। किसानों को टोकन के लिए समितियों में जाकर लाईन नहीं लगानी पड़ेगी। प्रदेश में पंद्रह नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ होने वाली है। इसके लिए सरकार द्वारा गाईडलाईन जारी कर दी गई है। शासन द्वारा धान खरीदी के लिए नियम थोड़े कड़े किए गए हैं, जिसके अंतर्गत बाहरी प्रदेशों से धान की आवक रोकने कड़ी चौकसी की जाएगी। इसके साथ ही ऐसे किसान जिन्होंने एग्रीस्टेक पोर्टल में अपना पंजीयन नहीं कराया है, वे अपना धान समर्थन मूल्य पर नहीं बेच सकेंगे। हालांकि लगभग 98 प्रतिशत किसानों द्वारा अब तक एग्रीस्टेक पंजीयन कराया जा चुका है, जिससे पंजीयन नहीं होने के कारण धान बेचने की प्रक्रिया से किसी किसान के बाहर होने के मामले नहीं मिल सकेंगे।शासन द्वारा धान विक्रय से पूर्व आवश्यक रूप से जारी होने वाले टोकन के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अंतर्गत समितियों में प्रतिदिन सुबह साढ़े नौ बजे से टोकन जारी होने लगेंगे।

नए स्थान पर विस्थापन — एटीआर के परिवारों को बसाने का कार्य हो रहा है मुंगेली में

171 परिवारों के लिए मरवाही में हो रही जमीन की तलाश

बिलासपुर। अचानकमार टाइगर रिजर्व के तीन गांव के 171 परिवारों का नए स्थान पर विस्थापन शुरु कर दिया गया है। इसके तहत पहले चरण में मुंगेली वन मंडल के क्षेत्र में सावंतपुर और भरतपुर के 255.300 हेक्टेयर जगह चिन्हांकित की गई है। इन तीन गांव के अलावा 16 गांव के 10 हजार से अधिक परिवार का भी विस्थापन किया जाना है, जिसके लिए अब जमीन की तलाश मरवाही में शुरू कर दी गई है।

एटीआर जंगल में बसे ग्रामीणों को दूसरे स्थान पर विस्थापित करने की प्रक्रिया कई साल से चल रही है। पूर्व में 6 गांव में रहने वाले लोगों को लोरमी और मुंगेली क्षेत्र में विस्थापित करने के उपरांत चार साल से कोर जोन में बसे तीन गांव बिरारपानी, छिरहट्टा और

तिलईडबरा के करीब 133 परिवारों के विस्थापन करने का कार्य हो रहा है। पूर्व राज्य सरकार ने ग्रामीणों को विस्थापित करने के लिए 500 करोड़ रुपए से अधिक राशि का बजट प्रस्ताव बनाया, लेकिन बाद में यह योजना भी ठंडे बस्ते में चली गई। एटीआर प्रबंधन ने तीनों गांव बिरारपानी, छिरहट्टा और तिलईडबरा के ग्रामीणों के विस्थापित की योजना शुरु कर दी गई है, जिनके 171 परिवार के लिए मुंगेली के जोगीपुर और भरतपुर में 255.300 हेक्टेयर जगह चिन्हांकित की गई है। इन 171 परिवार में से प्रत्येक परिवार को 15-15 लाख रुपए की राशि दी जानी है, ताकि वे एटीआर को खाली करने के बाद दूसरे स्थान पर चले जाएं। कटाई का कार्य वर्तमान में 30 फीसदी कम्पलीट हो चुका है। तीन गांव के अलावा 16 गांव कोर जोन में अचानकमार, बिंदावल, सारसडोल, छपरवा, लमनी, अतरियाखार, रंजकी, सुरही, अतरिया, बम्हनी, कटामी, जांकडबांधा, निवासखार, महामाई, डंगनिया और राजक एवं बफर जोन में जमुनाही, बोईरहा, पटपरहा, चकदा व सिवलखार आदि शामिल है। इन गांव के लोगों ने पहले शिवतराई के पास जगह देखी थी, जहां रहने के लिए सभी ग्रामीणों ने अपनी अनुमति भी प्रदान कर दी। शिवतराई में पंचायत ने ग्रामीणों का विस्थापन करने से मना कर दिया, जिसके बाद अब जमीन की तलाश एटीआर के पास मरवाही वन मंडल के आसपास शुरु कर दी गई है।

ज्यादातर परिवार की पसंद मकान

एटीआर प्रबंधन के अनुसार मुंगेली के भरतपुर में बिरारपानी और छिरहट्टा के ग्रामीणों को और सावतपुर में तिलईडबरा के ग्रामीणों को विस्थापन करने का कार्य किया जाएगा। इसमें 133 परिवार हैं, जिसमें से 15 लोगों ने आप्शन वन के तहत 15 लाख रुपए की मांग की है। वहीं 111 परिवार मकान, खेत व अन्य सुविधाएं लेना चाहते हैं। इसमें प्रति परिवार को 2.3 हेक्टेयर जमीन दी जाएगी। इन तीन गांव को विस्थापन करने के बाद 16 गांव शेष बचेंगे, जिनके रहवासियों को जगह दिखाई जा रही है। सभी के सामने आप्शन भी रखे जा रहे हैं, जिसमें ज्यादातर परिवार की पहली पसंद मकान है।

की जा रही है चर्चा

एटीआर अफसरों के अनुसार 19 गांव में से तीन गांव तिलईडबरा, बिरारपानी, छिरहट्टा में रहने वाले 171 परिवार के लिए मुंगेली में जगह चिन्हांकित की गई है। इसके लिए स्टेट वाइल्डलाइफ बोर्ड की तरह केन्द्रीय बोर्ड भी होती है, जिससे एप्रुवल मिलने के बाद तीनों गांव का विस्थापन कर दिया जाएगा। प्रत्येक घर के अलावा किसानी के लिए खेत व बच्चों के लिए गार्डन या फिर परिवार को 15-15 लाख रुपए दिया जाना है। इस कार्य के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेज दिया गया है। इसके अतिरिक्त 16 गांव के लिए मरवाही में जगह देखी जा रही है। इस कार्य के लिए जिला प्रशासन के अफसरों से भी चर्चा हो रही है। प्रयास है कि जल्द से जल्द विस्थापन का कार्य पूरा हो जाए।

खेतों में तैयार पीला सोना

किसानों के खेत में लहलहाने लगी धान की फसल, कुछ दिनों में शुरू हो जाएगी कटाई का काम।

निर्माण कार्य, सफाई व टैक्स वसूली को लेकर

निगम कमिश्नर ने ली मैराथन बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार ने गुरुवार को नगर निगम अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों सहित साफ-सफाई व टैक्स वसूली को लेकर मैराथन बैठक ली। इस बैठक में नगर निगम अपर आयुक्त खजांची कुम्हार समेत सभी जोन कमिश्नर व निगम इंजीनियर और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निगम कमिश्नर ने निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा नवंबर माह तक 40 फीसदी टैक्स वसूली करने का लक्ष्य दिया है।

- नवंबर माह तक 40 फीसदी टैक्स वसूली का दिया लक्ष्य

दीपावली त्यौहार के अवकाश बाद गुरुवार को निगम कमिश्नर अमित कुमार विकास भवन में निगम के सभी अधिकारियों, इंजीनियरों की लगातार बैठक ली और बारी-बारी से निर्माण कार्यों, साफ-सफाई व्यवस्था एवं टैक्स वसूली की समीक्षा की। निगम सीमा अंतर्गत निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कराने पर जोर देते हुए कमिश्नर ने कहा कि वर्क आर्डर जारी करते समय जो समय सीमा दिया गया है उसमें काम पूरा होना चाहिए और काम पूरा होते ही 15 दिनों के भीतर बिल आ जाना चाहिए। समय पर कार्य नहीं करने पर पेनाल्टी लगाया जाए और गुणवत्तापूर्ण काम नहीं करने तथा टेंडर के बाद काम चालू नहीं करने वालों को ब्लैक लिस्ट कर उनका टेंडर निरस्त करें। साफ-सफाई को लेकर उन्होंने कहा कि युद्धस्तर पर साफ-सफाई चालू करें और जो लोग डोर-टू-डोर कलेक्शन दौरान कचरा नहीं दे रहे हैं उनका सर्वे कराया जाए, क्योंकि वे लोग ही बाहर कचरा फेंकते हैं। निगम कमिश्नर ने टैक्स वसूली की धीमी गति को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए कम टैक्स वसूली करने वाले सहायक राजस्व निरीक्षकों पर कार्रवाई करने की बात कहते हुए इस माह तक 35 फीसदी और नवंबर माह तक 40 फीसदी टैक्स वसूली करने का लक्ष्य निगम के राजस्व अमला को दिया है। इसके साथ ही बड़े बकायादारों को नोटिस जारी करने और टैक्स नहीं पटाने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं।

नागपुर से हो रही पानी की बोतल की सप्लाई

अब तक ओपन नहीं हो सका रेल नीर का प्लांट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

जोनल रेलवे स्टेशन बिलासपुर के ताला लगे रेल नीर के प्लांट को अब तक आईआरसीटीसी ने ओपन नहीं किया है, जिसके कारण अभी भी पानी की सप्लाई नागपुर से की जा रही है। रेल नीर के कार्टून आने में विलंब और यात्रियों के लिए प्लांट शुरु नहीं होने के कारण लोकल ब्रांड के पानी को बिक्री करने की छूट दे दी गई है। इसकी बिक्री रेल नीर बोतल के साथ स्टॉल संचालक कर रहे हैं।

- लोकल ब्रांड की बिक्री करने की छूट

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर संचालित होने वाले स्टाल और ट्रेनों के पेंट्रीकार में यात्रियों को खाने-पीने की वस्तु से लेकर पानी की बोतल की बिक्री होती है, जिसकी कीमत रेलवे बोर्ड द्वारा तय की गई है, जिसका संचालन आईआरसीटीसी और रेल प्रशासन द्वारा किया जाता है। आठ साल पहले बिलासपुर सहित अन्य स्टेशनों में लोकल ब्रांड की पानी के बोतल बेचे जा रहे थे। रेल नीर के साथ यात्रियों को दूसरी कंपनी के पानी बोतल से भी अपनी प्यास बुझाने की सुविधा मिल रही थी। दूसरे ब्रांड की सुविधा को बंद करने के लिए रेलवे बोर्ड ने सख्त आदेश देते हुए आईआरसीटीसी को रेल नीर शुरु करने को कहा था। बोर्ड से आदेश मिलने से पहले बिलासपुर स्टेशन में पानी की सप्लाई बिहार के दानापुर रेलवे स्टेशन से होती थी। आदेश मिलने के बाद बिलासपुर के सिरगिट्टी औद्योगिक क्षेत्र में रेल नीर का प्लांट बनाया गया था। पानी के बोतल उत्पादन से लेकर सप्लाई करने का ठेका कोलकाता की कंपनी को दिया गया था। बिलासपुर सहित आसपास के छोटे बड़े स्टेशनों में सभी स्टॉल संचालकों को लोकल ब्रांड के स्थान पर रेल नीर के पानी बोतल रखने और बेचने का आदेश दे दिया गया। आठ साल तक प्लांट से प्रोडक्शन किया गया, रेल नीर पानी का बोतल जोन के तीनों डिवीजन रायपुर, बिलासपुर और नागपुर सहित अन्य स्टेशनों में सप्लाई हो रहा था। बिलासपुर में पानी का प्रोडक्शन और सप्लाई होने की वजह से किसी तरह की समस्या रहीं हो रही थी।

रायपुर में शिवनाथ और बिलासपुर में अमरकंटक

रेलवे से मिली जानकारी और जारी किए गए आदेश के अनुसार रेल नीर की सप्लाई प्रभावित होने और यात्रियों को गर्मी में परेशानियों को देखते हुए प्रदेश के तीन मुख्य पानी के ब्रांड किल्ले, शिवनाथ और अमरकंटक को बेचने जाने की अनुमति दे दी गई है। जारी किए गए नोटिफिकेशन में अमरकंटक के पानी बोतल की बिक्री बिलासपुर डिवीजन के कटनी मुरवारा से लेकर ईब स्टेशन यानि ओडिशा तक, शिवनाथ के पानी बोतल रायपुर डिवीजन में किनले कंपनी की पानी बोतल जोन के तीनों डिवीजन बिलासपुर, रायपुर और नागपुर सहित सभी स्टेशनों में बिक्री की जा रही है।

ईब से कटनी तक रेल नीर सप्लाई

सिरगिट्टी में संचालित हो रहे प्लांट से बिलासपुर के साथ उसलापुर, शहडोल, पेण्ड्रारोड, रायगढ़, कोरबा, ईब, रायपुर, दुर्ग, नागपुर एवं कटनी मुरवारा व अन्य स्टेशनों में पानी के बोतल की सप्लाई की जा रही थी। यहां से पानी की पेटी के रेट स्टाल संचालकों को 120 रुपए देना पड़ रहा था। वर्तमान में हालत यह हो गया है कि नागपुर से गाड़ी कभी आती है और कभी नहीं आती है। इसकी वजह से बिलासपुर डिवीजन के अंतिम स्टेशन ईब स्टेशन तक पानी की समस्या होने के साथ ही नागपुर से आने वाली रेल नीर की पानी की पेटी के लिए स्टाल संचालकों को 6 रुपए अतिरिक्त देना मजबूरी हो गई है।

अब तक नया टेंडर नहीं

सिरगिट्टी औद्योगिक क्षेत्र में संचालित रेल नीर का ठेका कोलकाता की कंपनी ने लिया था। कंपनी को सप्लाई और प्रोडक्शन में परेशानी हो रही थी। इस प्लांट को बंद करने के लिए कंपनी के संचालक ने कई बार आईआरसीटीसी को पत्र लिखा था। आखिरकार नवम्बर माह में कंपनी ने रेल नीर प्लांट को पूरी तरह से आईआरसीटीसी को हैंड ओवर कर दिया। प्लांट में ताला लगते ही स्टेशन और प्लेटफार्म पर रेल नीर की सप्लाई में परेशानी होने लगी, जिसे देखते हुए रेलवे ने नागपुर के प्लांट से रेल नीर की पेटियां मंगाना शुरु किया गया। प्लांट बंद हुए पांच माह से अधिक हो चुके हैं, लेकिन आईआरसीटीसी की ओर से अब तक नया टेंडर नहीं निकाला गया है।

स्थिति जस की तस

रेल नीर के प्लांट को अब तक नहीं ओपन किया गया है, स्थिति जस की तस है। पानी सप्लाई में काफी समस्या आ रही थी, तो ही किनले, अमरकंटक और शिवनाथ कंपनी के पानी बोतल बिक्री करने की अनुमति दी गई है।

-अनुराग कुमार सिंह,
सीनियर डीसीएम,
रेल मंडल बिलासपुर

कृषि केंद्र में विक्रम-टीसीआर पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

बिलासपुर। कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर द्वारा कृषि महाविद्यालय सभागार में वैज्ञानिक डॉ. गीत शर्मा के मार्गदर्शन प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इसमें मुंबई के डॉ. पी.ए.हसन ने कृषकों को विक्रम टीसीआर धान की किस्म के बारे में बताया।

- कृषि वैज्ञानिकों ने विक्रम टीसीआर का बताया महत्व

उन्होंने बताया कि यह किस्म धान की अन्य किस्मों की तुलना में अधिक उपज, रोगरोधी, कम अवधि तथा मध्यम ऊंचाई की है, जिससे फसल के गिरने की समस्या नहीं होती है। उन्होंने कहा कि धान की यह किस्म कई समस्याओं के समाधान के लिए बनाई गई है। बार्क, मुंबई के डॉ. एडी बलाल ने कृषकों को बताया कि धान के अलावा अन्य दलहन एवं तिलहन फसलों के किस्मों के बीज भी तैयार किए जा रहे हैं जो आगामी समय में कृषकों को उपलब्ध होंगे। बार्क, मुंबई डॉ. बीके दास ने कृषकों से अधिक से अधिक संख्या में विक्रम टीसीआर धान की किस्म का रकबा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. दीपक शर्मा रायपुर ने विक्रम टीसीआर धान की किस्म से अधिक उपज कैसे प्राप्त की जा सकती है उन तकनीकों को कृषकों को विस्तार से बताया। कृषि महाविद्यालय बिलासपुर के डॉ. एन.के. चौरे ने विक्रम टीसीआर धान किस्म की अन्य धान किस्मों से तुलनात्मक रूप से महत्व की जानकारी कृषकों को दी। इस दौरान डॉ. एस.एल. स्वामी लोरमी एवं डॉ. संजय वर्मा बिलासपुर ने कृषकों को धान की इस किस्म को लगाने प्रोत्साहित किया। इस दौरान कृषक राघवेन्द्र सिंह चंदेल को विक्रम टीसीआर धान किस्म के प्रचार प्रसार में उनके योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ शिल्पा कौशिक ने किया एवं आभार डॉ निवेदिता पाठक ने किया। इस अवसर पर डॉ. एकता ताम्रकार, पंकज मिंज, डॉ. चंचला रानी पटेल, सुशीला ओहदार, हेमकांति बंजारे, डॉ. स्वाति शर्मा, संतोश वर्मा, इंद्रराम पटेल आदि मौजूद थे।

रात में खेत में घुसकर फसल चट कर रहे आवारा मवेशी

आवारा मवेशियों से फसल बचाने घेराबंदी कर रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

आवारा मवेशियों से अपनी धान की फसल बचाने के लिए किसानों ने एक अच्छा तरीका खोज निकाला है। गांव में किसानों के द्वारा आपस में पैसे मिलाकर सामूहिक रूप से खेतों की तार-फैंसिंग करवाई जा रही है। सामूहिक रूप से फैंसिंग करवाने के कारण न केवल किसानों को कम पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं, बल्कि रख-रखाव भी बेहतर हो रहा है।

घरों से खदेड़ दिए गए मवेशी गांवों में घूम-घूमकर किसानों की धान की फसल चट कर रहे हैं। अपनी-अपनी क्षमतानुसार किसानों द्वारा खेतों की रखवाली तो की जा रही है, लेकिन अपना जरूरी काम छोड़कर केवल पशुओं की चौकीदारी करना ही संभव नहीं है। ऐसे में किसानों ने इसका एक बेहतरीन रास्ता खोज निकाला है। गांव में बैठक कर किसानों ने सामूहिक रूप से खेतों में तार-फैंसिंग की योजना बनाई है। सीपत क्षेत्र के गुड़ी, जुहली, बिटकुला, कुली, निरतू, मड़ई, ऊनी, आमानारा, पैगवांपारा जैसे दर्जनों गांव में लोगों ने आपस में पैसे इकट्ठा करके खेतों में तार-फैंसिंग करके फसल बचाने की तरकीब निकाली है।

धान के पौधों में आई बालियां

दिवाली आते ही धान के पौधों में बालियां आ चुकी हैं। यही कारण है आवारा पशुओं को धान के पौधे अब कुछ ज्यादा ही आकर्षित करने लगे हैं। कई गांवों में युवाओं को टोली बनाकर रखवाली के लिए रतजगा करते भी देखा जा रहा है। जिन गांवों में लोगों ने सामूहिक घेराबंदी नहीं करवाई है, वहां युवा वर्ग बारी-बारी से गांव में जागकर आवारा मवेशियों से फसल बचा रहे हैं।

सस्ती पड़ती है सामूहिक घेरेबंदी

अपने खेतों को व्यक्तिगत रूप से तार-फैंसिंग करवाने पर किसानों को खेत के चारों ओर फैंसिंग करानी होती है, जबकि सामूहिक रूप से यह काम करने पर खेत से लगे अन्य खेत मालिकों द्वारा उतनी ही राशि में चौतरफा घेरेबंदी कर ली जाती है। यही कारण है कि गांवों के लोग अब इस काम को व्यक्तिगत रूप से करने की बजाए आपसी सलाह से सामूहिक रूप से कर रहे हैं।

आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया दावा-आपत्ति आज तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना तखतपुर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 7 में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र 7-1 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद की पूर्ति के लिए आवेदन मंगाए गए थे। प्राप्त आवेदनों की जांच कर अंतिम सूची जारी कर दी गई है। जिसका अवलोकन एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय तखतपुर, नगर पालिका परिषद तखतपुर, आंगनबाड़ी केंद्र 7-1 में किया जा सकता है। जारी सूची के संबंध में दावा-आपत्ति 24 अक्टूबर तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

हरिभूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025

लाइव

Email id- haribhoomibsp@gmail.com

Whats App - 6263190692, 8305922255

एजुकेशन

नर्सिंग कालेजों में एडमिशन 30 नवंबर तक, आईएनसी ने बढ़ाई तारीख

■ हाईकोर्ट ने 13 निजी कालेजों को दी राहत, अपग्रेड सीट काउंसिलिंग में शामिल

बिलासपुर। नर्सिंग कालेजों के विभिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश 31 अक्टूबर नहीं 30 नवंबर तक पूरा किया जाएगा। काउंसिलिंग में होने वाली देरी के बीच चिकित्सा शिक्षा विभाग के निवेदन पर इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने तारीख बढ़ाई है। वहीं हाईकोर्ट के निर्देश के बाद काउंसिलिंग में शामिल 13 कालेजों की करीब 12 सौ अपग्रेड सीटों पर एडमिशन के लिए पहले दौर की प्रक्रिया में अंतिम तारीख 26 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी।

नर्सिंग कालेजों में बीएससी की सीटों में प्रवेश के लिए होने वाली काउंसिलिंग के दौरान अनियमितिता सामने आ रही है। पूर्व में जीएनएम से बीएससी में अपग्रेड सीटों को काउंसिलिंग से दूर रखा गया था। निजी कालेज हाईकोर्ट पहुंचे तो करीब 6 कालेजों को राहत मिली मगर 13 कालेजों की करीब 12 सौ सीटों को भी प्रवेश प्रक्रिया से दूर रखा गया। निजी नर्सिंग कालेज प्रबंधनों ने फिर न्यायालय की शरण ली। छुट्टी के दिन बैठी अदालत ने कालेज प्रबंधन के पक्ष में फैसला जारी कर काउंसिलिंग कमेटी को फटकारा। इसके बाद अपग्रेडेड सभी सीटें को काउंसिलिंग में शामिल किया गया। इसकी वजह प्रवेश की अंतिम तारीख को 22 से बढ़ाकर 26 अक्टूबर तय किया गया है। दूसरी ओर आईएनसी के शेड्यूल के अनुसार शुरुआत में प्रवेश की अंतिम तारीख को 30 सितंबर से बढ़ाकर 31 अक्टूबर किया गया था। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने इसमें और बढ़ोतरी किए जाने का निवेदन नर्सिंग काउंसिल से किया था जिसके बाद एडमिशन की अंतिम तिथि को 30 नवंबर तक बढ़ा दी गई है।

उपलब्धि

दीक्षांत समारोह में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने प्राप्त की पीएचडी की उपाधि

बिलासपुर। डॉ. सीवी. रमन विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इस ऐतिहासिक क्षण में शिक्षा, परिश्रम और समर्पण का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला।

शिक्षा, परिश्रम, समर्पण का दिखा उदाहरण

यह गौरवशाली उपलब्धि डॉ. तविंदर पाल सिंह अरोरा दयालबंद के परिवार ने हासिल की है। डॉ. तविंदर पाल सिंह ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग, उनके सुपुत्र डॉ. नवदीप सिंह अरोरा ने मैनेजमेंट तथा उनकी पुत्र वधु डॉ. रमनदीप कौर अरोरा ने कंप्यूटर साइंस व इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की।

डॉ. तविंदर पाल सिंह अरोरा ने कहा कि यह उनके परिवार के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। शिक्षा ही वह साधन है जो व्यक्ति और समाज दोनों को उन्नति के मार्ग पर ले जाता है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों का पीएचडी प्राप्त करना उनके लिए सौभाग्य और प्रेरणा का विषय है।

कार्यक्रम

रेलवे मंडल द्वारा 20वीं वार्षिक स्काउट्स एवं गाइड्स रैली का आयोजन आज से

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे स्काउट्स एवं गाइड्स संघ द्वारा आयोजित 20वीं वार्षिक जिला रैली एवं शिविर की शुरूवात शुक्रवार से हो रही है, 26 अक्टूबर तक रेलवे स्कूल में किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय रैली एवं शिविर में रेलवे विद्यालयों एवं ओपन ग्रुप्स से लगभग 400 स्काउट्स एवं गाइड्स सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्काउटिंग एवं गाइडिंग से संबंधित विविध प्रतियोगिताएँ, प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण एवं लाइव डेमो, आपदा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता विषयक प्रदर्शनी एवं कार्यशाला जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी इन गतिविधियों का उद्देश्य स्काउट्स एवं गाइड्स के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें समाजसेवा, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करना है। इस रैली का मुख्य उद्देश्य नवयुवाओं में अनुशासन, सेवा भाव, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रनिर्माण के प्रति समर्पण जैसे मूलभूत स्काउटिंग-गाइडिंग मूल्यों को सुदृढ़ करना है। रैली का उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भगवती खोईवाल, उपस्थित रहेंगी। वहीं, समापन समारोह रविवार को किया जाएगा। पूरे आयोजन का संचालन अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया जाएगा।

परंपरा गत तरीके से मनाया गया त्यौहार

भाई दूज पर बहनों ने किया तिलक, भाइयों ने दिया उपहार

भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक भाई दूज का पर्व गुरुवार को उत्साह से मनाया गया। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर हाथ में कलावा बांध कर मिठाई व भोजन कराए और दीप प्रज्ज्वलित कर आरती की। साथ ही उनके दीर्घायु, सुख-समृद्धि की कामना की। भाईयों ने बहनों को उपहार देकर अपना आशीर्वाद दिया।

बिलासपुर। भाई दूज दीपावली के अगले दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाई गई। पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर गए थे, जहां यमुनाजी ने उनका तिलक कर आदर-सत्कार किया था। तभी से यह परंपरा चली आ रही है। भारत के विभिन्न राज्यों में इस पर्व को मनाने के अलग-अलग रीति-रिवाज हैं, लेकिन सभी जगह इसका भाव भाई-बहन के अटूट बंधन को मजबूत करना और एक-दूसरे के प्रति स्नेह व्यक्त करना है।

ये है पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार सूर्यदेव की पुत्री यमुना अपने भाई यमराज से अत्यंत स्नेह रखती थीं। वे उन्हें बार-बार अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित करती थीं, लेकिन यमराज अपने दायित्वों में व्यस्त होने के कारण नहीं जा पाते थे। एक दिन यमराज ने अपनी बहन का आग्रह स्वीकार कर उसके घर पहुंचे। यमुना ने अपने भाई का बड़े प्रेम से स्वागत किया। माथे पर तिलक लगाया और स्वादिष्ट भोजन कराया। भाई के स्नेह से प्रसन्न होकर यमराज ने यमुना को वर मांगने को कहा। यमुना ने प्रार्थना की कि इस दिन जो भी बहन अपने भाई का तिलक करें, उसके भाई की दीर्घायु हो और उसे कभी अकाल मृत्यु का भय न हो। यमराज ने यह वरदान दे दिया तभी से भाई दूज का पावन पर्व मनाने की परंपरा आरंभ हुई।

संस्कारों के संकल्प का पर्व है भाई दूज : बीके स्वाति

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर की मुख्य शाखा टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित राजयोग भवन की संचालिका बीके स्वाति दीदी ने बताया कि भाई दूज पर्व का गहरा आध्यात्मिक अर्थ है। भाइयों के विशेष दो त्योहार भाई दूज और रक्षाबंधन होते हैं। यह दो विशेष दिन भाइयों का दिन है। वास्तव में देखा जाए तो परमात्मा जब इस संसार में आते हैं तो हम सब आत्माएं उसकी संतान होने के नाते भाई-भाई है। एक ही पिता के संतान है। उन्होंने कहा कि भाई दूज का अर्थ केवल स्थूल टीका लगाना नहीं है, बल्कि आत्मा को उसके सच्चे स्वरूप की पहचान देना है। यह पर्व आत्मिक जागृति का संदेश देता है। परमात्मा ही वह सर्वश्रेष्ठ भाई है, जो सदैव हमारी रक्षा, मार्गदर्शन और कल्याण के कार्य में सहयोगी रहते हैं। दीदी ने बताया कि भाई दूज पर बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती है, जो यह संकेत देता है कि आत्मा सदा पवित्रता, सत्यता और श्रेष्ठता के मार्ग पर चले। यह तिलक केवल रोली या चंदन का नहीं, बल्कि आत्मा को ज्ञान और योग रूपी शक्ति का तिलक है। भाई दूज का यह पर्व केवल स्नेह का नहीं, बल्कि संस्कारों के संकल्प का पर्व है। इस दिन प्रत्येक भाई को अपने मन में यह दृढ़ निश्चय लेना चाहिए कि समाज की प्रत्येक कन्या, प्रत्येक नारी मेरे लिए बहन स्वरूप है। उसकी रक्षा करना, उसकी मर्यादा का सम्मान करना मेरा पवित्र कर्तव्य है। जब संकल्प पवित्र हो और संस्कार उज्ज्वल हो तब समाज स्वर्ग समान बनता है।

बंधवापारा, पचरीघाट में की जा रही महाकाली पूजा

प्रतिदिन की जा रही विशेष पूजा, आरती, प्रसाद वितरण

> नवरात्रि के बाद काली पूजा शुरू हो गई है। कई स्थानों में काली मां की विधिवत स्थापना कर सुबह-शाम पूजा की जा रही है। दर्शन, पूजन करने लोग दूर-दराज से पहुंच रहे हैं।

बिलासपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सात दिवसीय महाकाली मां पूजन का आयोजन अरविन्द नगर बंधवापारा सरकंडा में किया गया है। इसमें मां महाकाली की विशेष आरती, पूजा रात्रि 12 बजे एवं दिन के 12 बजे प्रतिदिन की जा रही है। शुक्रवार 24 अक्टूबर को दोपहर में सुहाग दान कार्यक्रम रखा गया है। प्रतिमा विसर्जन शनिवार 25 अक्टूबर को 11 बजे सुबह किया जाएगा। आचार्य परिवार के सदस्यों ने बताया कि इस पूजा, आरती में हर दिन श्रद्धालु भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। वहीं इस आयोजन से मोहल्ले का वातावरण आध्यात्ममय बना हुआ है।

काली पूजा उत्सव में हर दिन हो रहा भजन

मां ज्वाला काली पूजा समिति पचरीघाट ने मनोहर होटल के सामने मां काली का 10 दिवसीय उत्सव आरंभ हुआ। पं. दुर्गेश साहू एवं नारबद साहू ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना करा मां काली प्रतिमा की स्थापना की गई। स्थापना के बाद प्रतिदिन पूजा कर भजन-कीर्तन किया जा रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर मां काली का दर्शन कर रहे हैं। संस्था के सदस्यों ने बताया कि 30 अक्टूबर को आतिशबाजी, ढोल बाजे के साथ मां काली की यात्रा निकाल कर विसर्जन किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में मां ज्वाला काली पूजा समिति के सदस्यों का विशेष सहयोग मिल रहा है।

बांस की टोकरियां और सूप, पीतल के बर्तन, प्रसादी के सामान, फल, गन्ने, गुड़ की बढ़ी मांग

छठ पूजा से पहले बाजारों में बढ़ी चहल-पहल पूजा का सामान लेने खरीदारी में जुटी महिलाएं

कार्नर न्यूज

बिलासपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। जैसे-जैसे सूर्य उपासना के इस पर्व की तिथि नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। शनिचरी में दउरा, सुपली, डगरा, छइंटा और कोसी की दुकानें सज चुकी हैं। छठ व्रती करने वाले इन दुकानों पर पूजा सामग्री की खरीदारी में व्यस्त हैं, खासकर महिलाओं और व्रतियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। छठ पूजा में उपयोग होने वाली पारंपरिक सामग्रियों की मांग इस बार काफी बढ़ी है। शहर में उत्तर भारतीय समाज के लोग महापर्व छठ की तैयारी में जुट गए हैं। दीपावली के बाद छठ पूजा का सज गया है । छठ व्रत रखने वाले लोग पूजन सामग्रियों की खरीदारी करने बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। बाजार में छठ पूजा की उपयोगी सामग्री जैसे सूप, दउरा और टोकरी की बिक्री शुरू हो गई है। सूर्य उपासना का यह चार दिवसीय पावन पर्व उत्तर भारतीय संस्कृति के आस्था और परंपरा का महापर्व है। छठ पूजा के लिए आवश्यक सामग्री में बांस की टोकरियां और सूप, पीतल का लोटा या तांबे का कलश, दीपक, अगरबत्ती, सिंदूर, कुमकुम और धूप जैसे पूजा के सामान शामिल हैं। इसके अलावा प्रसाद के लिए फल (केला, गन्ना, शरीफा), शकरकंद, सुथनी, गुड़, ठेकुआ और मौसमी फल जैसी चीजों की बाजार में खूब मांग है।

सूप और दउरा की बिक्री जोरों पर

इन दिनों बाजारों में छठ से जुड़ी सामग्रियों की बिक्री जोरों पर है। सूप और दउरा इस पर्व में अहम माना जाता है। इस बार सूपा की कीमत 100 से लेकर 150 रुपए तक और दउरा की कीमत 400 से 600 रुपए हैं। शनिचरी में सूपा, दउरा और टोकरी बेच रहीं अघनिया देवी बताती हैं कि वह परंपरागत रूप से बांस शिल्प कारीगरी का काम करती आ रही हैं। हमारे पास से लोग घर, खेती -किसानी, शादी ब्याह और छठ पर्व के लिए सूप, टोकरी खरीदते हैं। छठ पर्व के लिए लोग बड़ी संख्या में सूप, दउरा और टोकरी खरीद रहे हैं।

25 अक्टूबर से शुरू होगा अनुष्ठान

इस बार छठ महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर से नहाय-खाय के साथ होगी। इसके साथ ही चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व की औपचारिक शुरुआत हो जाएगी। अगले दिन खरना, उसके बाद शाम का अर्घ्य और फिर सुबह का अर्घ्य के साथ पर्व का समापन होगा। नहाय-खाय के साथ ही व्रती पूरी शुद्धता के साथ व्रत की शुरुआत करते हैं। शहर के नदी घाट पर छठ पूजा को लेकर तैयारी की जा रही है।

एक फ्रेम में साथ नजर आए संजय और जावेद

मुंबई। 'बूगी वूगी' शो से प्रसिद्ध हुए नावेद जाफरी ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर संजय दत्त और अपने भाई जावेद के साथ एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में संजय और जावेद को एक साथ देख कर फैंस को फिल्म 'धमाल' की याद आ गई। तस्वीर में संजय दत्त, जावेद जाफरी और नावेद जाफरी तीनों मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। नावेद ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'संजू भाई से मिलना हमेशा खुशी देता है। वो बहुत विनम्र और जमीन से जुड़े इंसान हैं। उनकी गर्मजोशी और सादगी कभी नहीं बदलती। उनके साथ बातचीत हंसी और सकारात्मकता से भरी होती है।

लाइफ Style

जान्हवी

करण की गंदी बात सुन हुईं हैरान

बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर अपने बेबाक अंदाज और मजेदार बातों के लिए जाने जाते हैं। लेकिन, इस बार उन्होंने ऐसा खुलासा किया कि सुनकर वहां मौजूद हर कोई दंग रह गया। हाल ही में करण अभिनेत्री काजोल और ट्विंकल खन्ना के शो 'टू मच' में पहुंचे।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इस दौरान उनके साथ जान्हवी कपूर भी प्राइम वीडियो के शो में गेस्ट के तौर पर पहुंचीं, जहां उन्होंने भी अपनी निजी जीवन से जुड़ी कई बातों का जिक्र किया। शो के दौरान एक मजेदार सेगमेंट 'ट्रूथ और लाए' में ट्विंकल ने करण से कहा कि वो कोई एक स्कैंडलस बात बताएं जो सबको चौंका दे। इस पर जाह्नवी कपूर ने भी उन्हें थोड़ा छेड़ते हुए कहा- 'एक सच और एक झूठ बताओ, हम अंदाजा लगाएंगे क्या सच है।' इसी के जवाब में करण ने कहा, 'मैंने अपनी वर्जिनिटी 26 साल की उम्र में खोई थी और मैं तुम्हारे परिवार के एक सदस्य के साथ इंटिमेट रहा हूं।' जैसे ही करण ने ये कहा जाह्नवी हैरान रह गईं। इसके ठीक बाद करण ने हंसते हुए कहा कि वो मजाक कर रहे हैं। करण ने कहा, 'असल में मैंने 26 साल की उम्र में वर्जिनिटी खोई थी, लेकिन तुम्हारे परिवार के किसी सदस्य के साथ कभी इंटिमेट नहीं रहा। हालांकि, ख्याल ज़रूर आया था कुछ बार।' उनके इस जवाब पर वहां मौजूद सब हंस पड़े, लेकिन जाह्नवी तब भी सोच में ही नजर आईं। इसी बातचीत के दौरान चर्चा पहुंची रिश्तों और शादी में वफादारी के मुद्दे पर। करण जौहर ने इस पर अपना नजरिया रखते हुए कहा, 'मैं नहीं मानता कि फिजिकल इंफिडेलिटी (शारीरिक तौर पर धोखा देना) कोई डील ब्रेकर है।'

हॉलीवुड मसाला

बीइंग एडी... का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजिल्स। नेटफ्लिक्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर डॉक्यूमेंट्री 'बीइंग एडी' का ट्रेलर जारी किया। इस वीडियो पोस्ट के साथ एक कैप्शन भी साझा किया गया है। जिसमें लिखा है, 'वास्तविक और बेबाक।' इस डॉक्यूमेंट्री के जरिए एक्टर एडी मर्फी की पूरी कॅरियर जर्नी को, एचीवमेंट्स को समेटा गया है। 'बीइंग एडी' का प्रीमियर 12 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर होगा। बीइंग एडी डॉक्यूमेंट्री के ट्रेलर में एडी मर्फी के शुरुआती कॅरियर से लेकर अब तक की एक्टिंग जर्नी को दिखाया गया।

ग्रेस की अंगूठी शाहरुख के 'मन्नत' से भी है कीमती

लॉस एंजिल्स। 1955 में, प्रिंस रेनियर तृतीय ने ग्रेस केली को हीरे और रूबी से जड़े एक इटरनिटी बैंड के साथ प्रपोज किया था। 1956 तक, जब इस कपल ने आधिकारिक तौर पर अपनी सगाई की घोषणा की, केली ने अपनी 10.48 कैरेट की अंगूठी पहन रखी थीं। केली ने अपनी अंगूठी 1956 में आई अपनी फिल्म 'हाई सोसाइटी' के सेट पर भी पहनी थी, जो मोनाको की राजकुमारी बनने से पहले उनका आखिरी रोल था। 'ब्राइड्स' के मुताबिक, 1956 में इस अंगूठी की कीमत करीब 4 मिलियन डॉलर (3.5 करोड़ रुपए) थी जो आज लगभग 38.8 मिलियन डॉलर के बराबर है यानी अब इस अंगूठी की कीमत करीब 340.53 करोड़ हो गई है। अब अगर ग्रेस की इस अंगूठी की बात करें तो ये बॉलीवुड के सबसे अमीर एक्टर शाहरुख खान के घर 'मन्नत' से भी महंगी है, जिसकी कीमत करीब 200 करोड़ रुपए के आसपास है।

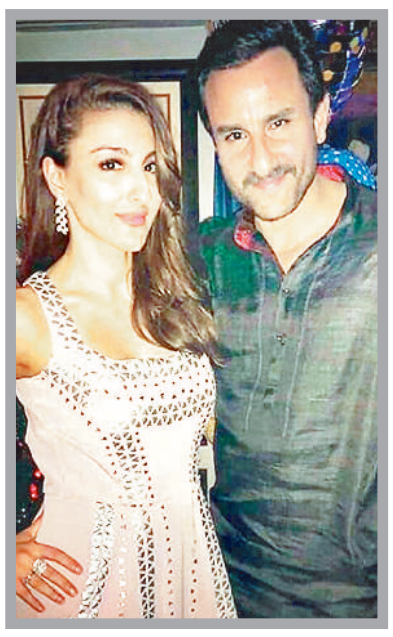

सोहा- सबा ने सैफ के साथ मनाया भाई दूज

मुंबई। सैफ अली खान की दोनों बहनों सबा पटौदी और सोहा अली खान ने भाई दूज मनाया। इसके साथ ही सबा ने सोशल मीडिया हैंडल पर सेलिब्रेशन की तस्वीरें भी शेयर कीं। जिसमें करीना कपूर अपने दोनों बेटों जेह और तैमूर के साथ दिखाई दीं। सबा पटौदी और सोहा अली खान ने गुरुवार को अपने भाई सैफ के साथ भाई दूज का जश्न मनाया। इस जश्न में करीना कपूर खान, जहांगीर अली खान पटौदी और तैमूर अली खान पटौदी भी नजर आए। इन तस्वीरों में परिवार का प्यार और भाई-बहन का खूबसूरत रिश्ता नजर आता है। एक तस्वीरों में सबा, सैफ, करीना और परिवार के साथ हंसी-मजाक करते दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में वे कमल सदाना के साथ हैं, तो दूसरी में मनोज बाजपेयी और शर्मिला टैगोर के साथ नजर आ रही हैं।

काश मैं बहनों के और करीब रह पाता

मुंबई। भाई-दूज के पावन त्योहार पर जहां हर कोई अपने करीबियों को याद कर रहा है और भाई-बहन की फोटोज शेयर कर रहा है। वहीं, एक्टर बॉबी देओल ने भी अपनी बहनों विजेता और अजेता के बारे में बात की है। वह उदास होकर कहते हैं कि काश उनके और उनकी बहनों के बीच की शारीरिक दूरी कम हो जाती। एक्टर कहते हैं, 'अब जब हम सब बड़े हो गए हैं और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं, तो मुझे एहसास हुआ है कि यह रिश्ता कितना अनमोल है, लेकिन हम पहले से कहीं ज्यादा करीब हैं। हम एक-दूसरे के लिए कुछ भी कर सकते हैं, हम एक-दूसरे की बहुत परवाह करते हैं और चाहे कितनी भी दूरी क्यों न हो, हम हमेशा एक-दूसरे के साथ रहते हैं।' वह उदास होकर कहते हैं कि काश उनके और उनकी बहनों के बीच की शारीरिक दूरी कम हो जाती।

अमिताभ की सलामती के लिए राजकुमार ने मांगी थी मनोकामना

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन ने 'केबीसी 17' में दिवंगत कन्नड़ सुपरस्टार डॉ. राजकुमार से जुड़ा दिल छू लेने वाला किस्सा सुनाया है। बिग बी ने ऋषभ शेट्टी को बताया कि जब 'कुली' के दौरान उन्हें चोट लगी थी, जब राजकुमार ने उनकी सलामती के लिए मंदिर में लोटकर परिक्रमा की थी। यही नहीं, राजकुमार ने उरुलु सेवे की थी, जिसमें मनोकामना पूरी होने के लिए मंदिर के चारों ओर जमीन पर लोटकर प्रार्थना की जाती है। डॉ. राजकुमार के सरल स्वभाव के बारे में बात करते हुए अमिताभ बच्चनन ने ऋषभ शेट्टी से कहा, 'कर्नाटक में, उन्हें भगवान जैसा माना जाता है, लेकिन जब मैं उनसे मिला तो वे बहुत ही सरल और जमीन से जुड़े हुए थे। वे साधारण कपड़े पहनते थे और एक बहुत ही साधारण घर में रहते थे। उन्हें देखकर कोई नहीं कह सकता था कि वे कोई बड़े सुपरस्टार हैं।' राजकुमार के दिल में अपने लिए असीम प्यार को याद करते हुए बिग बी ने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि थी... जब 1982 में, 'कुली' के सेट पर मेरा एक्सीडेंट हुआ। यह बेंगलुरु में हुआ था। उसके बाद बहुत कुछ हुआ। बहुत से लोगों ने मेरे लिए प्रार्थना की, लेकिन राजकुमार जी का कर्नाटक में एक खास मंदिर है, वे वहां गए और परंपरा है कि वहां गीले कपड़े पहनते हैं और जमीन पर लोटकर परिक्रमा करते हैं। उन्होंने मेरे जीवन के लिए प्रार्थना करने के लिए ऐसा किया।' बिग बी ने आगे कहा, 'तब से लेकर उनके डॉ. राजकुमार के निधन तक, वह और मैं एक-दूसरे से जुड़े रहे।

थामा की बॉक्स ऑफिस पर दहाड़, एक दीवाने की दीवानियत का भी दिखा जलवा

***मुंबई।** दिवाली का त्योहार हर साल बॉक्स ऑफिस पर नई रौनक लेकर आता है और इस बार भी नजारा कुछ ऐसा ही रहा। बीते मंगलवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी 'थामा' ने पहले ही दिन धमाकेदार ओपनिंग के साथ आयुष्मान खुराना के कॅरियर की अब तक की सबसे बड़ी शुरुआत दर्ज की। वहीं, साथ रिलीज हुई हर्षवर्धन राणे की 'एक दीवाने की दीवानियत' ने भी उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर सबको चौंका दिया। दूसरी ओर, ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' अभी भी दर्शकों के दिलों और टिकट खिड़कियों पर राज कर रही है, जबकि वरुण धवन और जान्हवी कपूर की 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की चमक अब फीकी पड़ती नजर आ रही है।*

थामा : आदित्य सरपोतदार के निर्देशन में बनी 'थामा' दिवाली के मौके पर दर्शकों के लिए हंसी और डर का शानदार मिश्रण लेकर आई है। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की जोड़ी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। पहले दिन फिल्म ने 24 करोड़ रुपए की कमाई के साथ मजबूत शुरुआत की और दूसरे दिन भी यह जोश बरकरार रहा। बुधवार को फिल्म ने 18.1 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया, जिससे दो दिनों का कुल कलेक्शन 42.1 करोड़ रुपए पहुंच गया। करीब 150 करोड़ के बजट वाली इस फिल्म ने शुरुआती दो दिनों में ही मजबूत पकड़ बना ली है। परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी ने फिल्म को और दमदार बना दिया है।

एक दीवाने की दीवानियत : कम बजट की फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' ने दिवाली पर अपनी सादगी और इमोशनल टच से दर्शकों का दिल जीत लिया। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की जोड़ी वाली इस रोमांटिक ड्रामा ने पहले दिन 8.5 करोड़ रुपए की कमाई की, जबकि बुधवार को 7.5 करोड़ का बिजनेस किया। दो दिन में फिल्म की कुल कमाई 16.5 करोड़ रुपए पहुंच गई है, जो इसके 30 करोड़ रुपए के बजट को देखते हुए शानदार शुरुआत मानी जा रही है।

किस किसको प्यार करूं-2 के रिलीज डेट का ऐलान

मुंबई। मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, दोगुने कन्फ्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। 'किस किसको प्यार करूं 2', हंसी का धमाल सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर को शुरू होगा। रिलीज डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'फिल्म से ज्यादा हनी सिंह के गाने का इंतजार है।' वहीं, दूसर यूजर ने कहा, 'फिल्म बहुत शानदार होने वाली है।' एक और यूजर ने कहा, 'केंडी यो यो हनी सिंह।' इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं। 'किस किसको प्यार करूं 2' का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है।

न्यायालय प्रथम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

सिविल एमजेसी प्रकरण क्रं.-691/2025
पेशी तारीख-26-11-2025
आदेश दिनांक : 09-10-2025
प्रोसेस नं. 778

नेहा हम्ब्रोम वगैरह-विरुद्ध- श्वेता उपाध्याय वगैरह

उपरोक्त प्रकरण में नाबालिक आवेदक क्र.-02 गिलियड हेम्ब्रोम पिता स्व. एस.लुक हेम्ब्रोम की संरक्षता और संपत्ति के विक्रय की अनुमति का निराकरण इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 26-11-2025 को होना है। यदि किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो पेशी तारीख 26-11-2025 को ठीक 11.00 बजे न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर स्वयं अपना /अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति दर्ज करावें, अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यदि किसी कारणवश उपरोक्त नियत दिनांक को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है, अथवा कार्य स्थगित हो जाता है, तो अगले कार्य दिवस में प्रकरण की सुनवाई की जावेगी।

संलग्न: आवेदन अंतर्गत धारा 07 सहपठित धारा 10 व 29 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890 की प्रतिलिपि।
पेशी दिनांक 26.11.2025
जारी दिनांक 17/10/25

(शैलेष कुमार केतारप)
प्रथम जिला न्यायाधीश
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गनियारी जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र...../ब 121/2024-25
ग्राम गनियारी प.ह.नं. 50

एतद द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम गनियारी, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी तहसील सकरी जिला बिलासपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गंगाबाई सुर्यवंशी पिता लालजी सुर्यवंशी निवासी ग्राम गनियारी तहसील जिला बिलासपुर द्वारा ग्राम गनियारी प.ह.नं. 50 स्थित भूमि खसरा नं. 401, 345, 893/1, 390 रकबा 0.3880 हे. भूमि का ऋण पुस्तिका गुम हो जाने से शपथ पत्र, नोड्यूज, चालान, बी-1 सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को आपत्ति हो तो वह मेरे न्यायालय में दिनांक 27/10/25 को 10.30 बजे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है। बाद में प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 15/10/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील गनियारी
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, रतनपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)
।। ईश्तहार ।।

रतनपुर, दिनांक 16/10/2025
रा.प्र.क्र. (ब-121/2025-26)
मौजा ग्राम-रानीगांव

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अब्दुल शरीफ खान पिता स्व. अब्दुल लतीफ खान जाति निवासी ग्राम रानीगांव तहसील रतनपुर जिला बिलासपुर द्वारा अपने बहन सकीला बी पिता अब्दुल लतीफ खान का जन्म दिनांक 10-10-1960 को ग्राम रानीगांव में हो जाने के उपरांत कानूनी अज्ञानतावश ग्राम पंचायत रानीगांव में पंजीयन नहीं करा पाने के कारण वर्तमान में जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के धारा 13 (3) एवं छत्तीसगढ़ जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के कंडिका 9 (3) अन्तर्गत जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं सचिव ग्राम पंचायत रानीगांव को अनुज्ञा पत्र जारी किये जाने बाबत आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

तद्संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति हो तो स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से लिखित में नियत तिथि 31/10/2025 को दावा/आपत्ति न्यायालयीन समयावधि में इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा से जारी आज दिनांक किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी,
रतनपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, रतनपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)
।। ईश्तहार ।।

रतनपुर, दिनांक 16/10/2025
रा.प्र.क्र. (ब-121/2025-26)
मौजा ग्राम-रानीगांव

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अब्दुल शरीफ खान पिता स्व. अब्दुल लतीफ खान जाति निवासी ग्राम रानीगाव तहसील रतनपुर जिला बिलासपुर द्वारा अपने बहन जमीला बी पिता अब्दुल लतीफ खान का जन्म दिनांक 07-07-1961 को ग्राम रानीगांव में हो जाने के उपरांत कानूनी अज्ञानतावश ग्राम पंचायत रानीगांव में पंजीयन नहीं करा पाने के कारण वर्तमान में जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के धारा 13 (3) एवं छत्तीसगढ़ जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के कंडिका 9 (3) अन्तर्गत जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं सचिव ग्राम पंचायत रानीगांव को अनुज्ञा पत्र जारी किये जाने बाबत आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

तद्संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति हो तो स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से लिखित में नियत तिथि 31/10/2025 को दावा/आपत्ति न्यायालयीन समयावधि में इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 16/10/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी,
रतनपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.)

आधार कार्ड में नाम सुधार हेतु

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री समीक्षा के आधार कार्ड नंबर- 514333728422 में उनका नाम समिझा राठौर Samijha Rathour अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरी पुत्री का वास्तविक नाम समीक्षा राठौर Samiksha Rathour है जो सत्य एवं सही है। आधार कार्ड में नाम सुधार हेतु मेरे द्वारा इस सूचना का प्रकाशन कराया जा रहा है।

दिनांक 23.10.2025

शपथकर्ता
मंगल प्रसाद राठौर
पिता दुखीराम राठौर
जाति राठौर निवासी ग्राम दौंजरा ब्लाक गौरेला तहसील पेण्ड्रारोड जिला गौरेला, पेण्ड्रा, मरवाही (छ.ग.) मो.नं.-9685171027

न्यायालय नजूल अधिकारी, मुंगेली (छत्तीसगढ़)
--:: ईश्तहार ::--
कमांक क/वा/नजूल/2025
मुंगेली, दिनांक 09.10.2025

श्री विवेक शुक्ला पिता स्व. श्री ज्ञानशंकर शुक्ला एवं चार अन्य, निवासी मोहल्ला बड़ा बाजार मुंगेली, तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.)........आवेदकगण

बनाम

श्रीमति रेखा बाजपेयी एवं तीन अन्य, निवासी मोहल्ला सोनारपारा मुंगेली, तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.)............. अनावेदकगण

इस सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में आवेदक श्री विवेक शुक्ला पिता स्व. श्री ज्ञानशंकर शुक्ला एवं चार अन्य, निवासी मोहल्ला बड़ा बाजार मुंगेली, तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.) कि ओर से अधिवक्ता श्री किशन कश्यप द्वारा नगर मुंगेली के मोहल्ला बड़ा बाजार मुंगेली स्थित नजूल भूमि शीट नं. 29-सी. प्लाट नं. 26. क्षेत्रफल 285 वर्गमीटर पर मा.न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश के अतिरिक्त न्यायाधीश मुंगेली छ.ग. के व्यवाद क्र. 45ए/2015 आदेश दिनांक 30.03.2016 एवं इस न्यायालय के रा.प्र.क्र. 09/अ-6/2017-18 आदेश दिनांक 09.10.2018 के आधार पर रिकार्ड दुरूस्त किए जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त सबंध में प्रकरण विचाराधीन है। किसी व्यक्ति, संस्था या उपरोक्त भूमि पर हक रखने वालो को किसी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो वे दिनांक 28.10.2025 को दिन के 03:00 बजे इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने मुख्त्यार/अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना लिखित दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त किसी प्रकार की दावा आपत्ति पर विचार करना संभव नही होगा।

आज दिनांक 09.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय श्रीमान द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश, बिलासपुर (छ.ग.)
ज्ञापन

श्रीमती अनिता देवी वगैरह...वादीगण...बनाम
श्री कन्हैयालाल वगैरह....प्रतिवादीगण
व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक (अ) 93/2023
पेशी दिनांक -06/11/2025
प्रोसेस क्रमांक- 1864

प्रतिवादी 02 श्री गौरीशंकर पिता स्व.गया प्रसाद उम्र 70 वर्ष निवासी : जमुना टाल शक्ति बेकरी के पास बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
प्रतिवादी 06 श्रीमति आशा पिता स्व. मूलचंद उम्र 40 वर्ष निवासी वंदना भोजनालय जगदीश होटल के सामने गोडपारा तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
वादीगण अनिता देवी पिता कन्हैया लाल उम्र 42 वर्ष निवासी-शिवा ब्वायस हॉस्टल बड़ी कोनी बिलासपुर (छ.ग.) ने इस न्यायालय में दावा वास्ते घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा आवेदन प्रस्तुत किया है आपको इस ईश्तहार/नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि आपको इस न्यायालय में पेशी दिनांक 06/11/2025 को प्रात: 11.00 बजे स्वयं अथवा अधिवक्ता के साथ उपस्थित होंवे या प्रतिनिधि जिसे प्रकरण के संबंध में सम्यक जानकारी हो जो आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत आवेदन का जवाब दे सकें अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में मामले की एकतरफा सुनवाई कर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

पेशी तारीख को अगर किसी कारणवश उक्त दिनांक को न्यायालय में अवकाश घोषित किया जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हों तो प्रकरण की सुनवाई आगामी तारीख को होगी।

आज दिनांक 09/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

(संतोष कुमार महोबिया)
द्वितीय जिला न्यायाधीश
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

न्यायालय श्रीमान चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी बिलासपुर (छ.ग.)

रूचि अग्रवाल वगैरह.... वादीगण
// विरूद्ध //
विजय कुमार मोटवानी वगैरह... प्रतिवादीगण
आदेश दिनांक 07/10/2025
प्र.क्र. सी.एस. 372/2023
पेशी तारीख 20/11/2025
प्रो.क्र. 10

प्रति, संजय सुल्तानिया उम्र 53 वर्ष पिता ओमप्रकाश सुल्तानिया जाति अग्रवाल, पेशा व्यापार, निवासी-सुल्तानिया गली विनोबा नगर, बिलासपुर, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) पिन नं. 495004

आपके के विरूद्ध इस माननीय न्यायालय में वादीगण ने आपके विरूद्ध वाद वास्ते स्वत्व की घोषणा, स्थायी निषेधाज्ञा, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 23.01.2020 को शून्य घोषित करते हुए निरस्त किये जाने, उक्त विक्रय पत्र दिनांक 23.01.2022 से उत्पन्न नामांतरण आदेश को निरस्त किये जाने, एवं कब्जा दिलाये जाने हेतु पेश की गई है, जिसकी पेशी दिनांक 20/11/2025 को नियत है।

आपको इस न्यायालय में दिनांक 20/11/2025 को दिन के 11:00 बजे उपरोक्त प्रकरण का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिरी) होने के लिए इस समाचार पत्र के प्रकाशन के द्वारा वाद का नोटिस / समंस प्रेषित किया जा रहा है। आप इस न्यायालय में स्वय या किसी प्लीडर/अधिवक्ता के द्वारा उपसंजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और इस प्रकरण से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके, तथा उन सभी दस्तावेजों को पेश करने के लिए तैयार रहे जिस पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिए निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि, आप उक्त तारीख को इस न्यायालय में हाजिर नहीं होंगे तो आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए उक्त प्रकरण का निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यदि किसी कारणवश पेशी तारीख 20/11/2025 को अवकाश घोषित हो जाता है या सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है अथवा पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहते है तो उक्त प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्य दिवस को की जावेगी।

अत: आज दिनांक 15/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा इस न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया है।
दिनांक 15/10/2025

चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी बिलासपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

कराते में निर्भय को मिला गोल्ड, पीयूष को सिल्वर

सरगांव। 25वीं शालेय खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 के तहत बिलासपुर के तिलक नगर में आयोजित राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में सरगांव कराते स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 17 वर्ष बालक वर्ग में निर्भय साहू पिता नेहरू साहू ने स्वर्ण पदक जीता और राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए। वहीं 14 वर्ष वर्ग में पीयूष यादव ने रजत पदक हासिल किया। खिलाड़ियों की सफलता पर प्रशिक्षक अजमत हुसैन, योगेश साहू, ठगेश्वर साहू, जीतेन्द्र पटेल व स्नेहलता चंद्रा ने उन्हें बधाई दी। जिला कराते संघ के अध्यक्ष नेहरू साहू ने इस उपलब्धि को सरगांव के लिए के लिए गौरव बताया। यह जानकारी मुख्य प्रशिक्षक चैतराम साहू ने दी।

शुक्ला ने पीसीसी चीफ को सौंपा हस्ताक्षर युक्त पत्र

दगोरी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से पूरे प्रदेश में चलाए जा रहे' वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के तहत पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला ने लगभग 5 हजार हस्ताक्षर युक्त पत्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को सौंपा। इस अवसर पर प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्यपाल के हाथों तृप्ति को मिला स्वर्ण पदक

करगीरोड कोटा। दिवाली की खुशी और उत्साह के बीच नगर की बेटी तृप्ति अग्रवाल ने नगर का नाम रोशन करते हुए छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका के हाथों स्वर्ण पदक प्राप्त किया। दिवाली के पावन अवसर पर बेटी की इस उपलब्धि से परिवार की खुशी दोगुनी हो गई। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी और आनंद वन रिसार्ट के मालिक आनंद अग्रवाल की बेटी तृप्ति अग्रवाल ने बीबीए 2019 में टॉप किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तृप्ति ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नार्थ कैम्पस से एलएलबी और डॉ सीवीरमन विवि से एलएलएम की डिग्री प्राप्त की है।

मुख्य लिपिक के पद पर पदोन्नत हुए डडसेना

लोरमी। संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवा बिलासपुर की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोरमी में पदस्थ लेखापाल गनपत लाल डडसेना को मुख्य लिपिक के पद पर पदोन्नत कर जिला अस्पताल मुंगेली में पदस्थ किया गया। इस मौके पर डॉक्टर जीएस ढाऊ बीएमओ सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के नेतृत्व में स्वास्थ विभाग के कर्मचारियों ने डडसेना को बुके भेंट कर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्य लिपिक मनोज ध्रुव, अनिता राय, किशोर कुमार साहू, दीन दयाल बंजारे, पंकज खांडे, अमन उपाध्याय, ओम पटेल, गौकरन प्रसाद जायसवाल सहित अन्य स्वास्थ कर्मचारी उपस्थित थे।

नवोदय स्कूल में शहीद दीपक को दी गई श्रद्धांजलि

मल्हार। जवाहर नवोदय विद्यालय में 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस पर देश की रक्षा के लिए अपने प्राण, बलिदान देने वाले वीर बलिदानी शहीद दीपक भारद्वाज को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय स्टॉफ की उपस्थिति में स्व. दीपक भारद्वाज की प्रतिमा पर माल्यार्पण और अमर जवान ज्योति पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उल्लेखनीय है कि दीपक भारद्वाज इसी विद्यालय के पूर्व छात्र थे और पुलिस में उपनिरीक्षक पद पर थे वे नक्सलियों से जूझते हुए शहीद हुए थे। उनकी ही याद में विद्यालय परिसर में स्मारक बनाया गया है।

एडवेंचर कैंप के लिए शिवानी का चयन

मल्हार। गुरु घासीदास कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पचपेड़ी की छात्रा शिवानी साहू का चयन हिमाचल प्रदेश में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय साहसिक शिविर एडवेंचर कैंप के लिए हुआ है। वे अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह शिविर 24 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक धर्मशाला केंद्र हिमाचल प्रदेश में आयोजित होगा। शिवानी साहू बीए तृतीय सेमेस्टर की नियमित छात्रा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की सक्रिय स्वयंसेविका हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरके जायसी ने शिवानी साहू ने कहा कि शिवानी की यह उपलब्धि उनके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुनीता कुर्रे ने कहा कि शिवानी हमारी इकाई की अत्यंत सक्रिय और अनुशासित स्वयंसेविका हैं।

बहनों ने की भाइयों की लंबी उम्र की कामना

हर्षोल्लास से मना भाईदूज का पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुंगेली

भाई-बहन के प्रेम का पर्व भाईदूज गुरुवार को मनाया गया। भाईदूज पर बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उनकी आरती की तथा भाई के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार प्रदान किया।

दीपावली त्यौहार के पश्चात आज गुरूवार को भाई दूज पर्व में सुबह से ही भाई अपनी बहनों के घर जाते रहे। बहन भाई दूज मनाने के लिए अपने भाइयों का बेसब्री से इंतजार कर मीठा, फल, खीर, पूरी, स्वादिष्ट व्यंजन खिलाते रहे। पं. दीनानाथ उपाध्याय के अनुसार कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया को यमुना में पूजन कर यमराज को सत्कार पूर्वक भोजन कराया। इससे यह तीनों लोकों में यम द्वितीया नाम से प्रसिद्ध है, इसी समय से भाई दूज प्रथा लागू है। इस दिन बहिन के हाथ से भोजन करने से पुष्टि धन-धान्य में वृद्धि श्रेष्ठ रत्न को प्राप्त करता है। बहिन को दक्षिणा स्वर्ण अलंकार वस्त्र अन्न देकर बहिन की पूजा करनी चाहिए। भगिनी न हो तो अन्य बहिन के नाता से भोजन करनी चाहिए।

भाई दूज मनाते भाई-बहन।

भगिनों के हाथ से भोजन करने का शास्त्र में बहुत बड़ा महत्व हैं। पिता के बहिन के हाथ से श्रावण शुक्ल द्वितीया को और मामा की लड़की के हाथ से भाद्र शुक्ल द्वितीया मौसी और फूफू के लड़की के हाथ से अश्वीन शुक्ल द्वितीया को और सगी बहन के हाथ से कार्तिक शुक्ल द्वितीया को बल सुख शांति बढ़ाने वाले बहिनी के हाथ से भोजन करें। जिस तिथि को यमुना ने यमराज देव का सब जगत के भगिनी के प्यार से भोजन कराया हैं।

भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक है भाई दूज

लोरमी। भाई बहन के पवित्र बंधन और अटूट प्रेम का प्रतीक भाई दूज गुरुवार को अंचल में श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। दिवाली के तीसरे दिन मनाया जाने वाला यह पर्व भाई दूज, भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक है । बहनों ने इस दिन व्रत रख , अपने भाइयों को तिलक कर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की । साथ ही उन्हें मिठाई खिलाकर उपहारों का अदान-प्रदान हुआ । जिससे आपसी स्नेह और भी गहरा होता है। इसका महत्व भाई बहन के स्नेह और सुरक्षा के रिश्ते से जुड़ा है । भाई दूज का यह त्योहार सिर्फ एक पारिवारिक परंपरा नहीं, बल्कि एक पौराणिक कथा से भी जुड़ा है। मृत्यु के देवता यमराज और उनकी बहन यमुना के प्रेम से जुड़ी इस कथा में बताया गया है कि यमराज अपनी बहन के आग्रह पर उसके घर भोजन करने गए । और प्रसन्न होकर उसे यह वरदान दिया कि जो भाई इस दिन अपनी बहन के हाथों तिलक करवाएगा, उसे यमलोक का भय नहीं रहेगा। तभी से यह परंपरा शुरू हुई और आज भी पूरे श्रद्धा भाव से निभाई जाती है।

बहनों ने तिलक लगाकर भाइयों की उतारी आरती

तखतपुर। भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक भाई दूज का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों के घर भाई पहुँचे और उन्हें उपहार देकर बहनों के घर भोजन किया। पांच दिवसीय दीपोत्सव के अंतिम दिन कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि को भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। सुबह से ही भाई अपने बहनों के घर पहुंचे। बहनों ने घर में भाई की तिलक लगाकर आरती उतारी और भोजन कराया। भोजन के बाद भाइयों ने अपने बहनों को उपहार दिए। कहा जाता है कि इस दिन यमुना ने अपने भाई यम को घर पर आमंत्रित किया था और स्वागत सत्कार के साथ टीका लगाया था, तभी से यह त्यौहार मनाया जाता है। इस पर्व को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन भाई को टीका लगाने का सबसे अधिक महत्व होता है। बहनों को भाइयों ने अपने सामर्थ्य के अनुसार उपहार दिए। बाजार में भी भीड़ रही अपने पसंद के अनुरुप उपहार खरीद कर भेंट दिए।

नाटेश्वरी मंदिर से दुर्गा चौक तक निकली शोभायात्रा, झांकी ने मोहा मन

भर्रीडांड़। जिले के प्रसिद्ध मां नाटेश्वरी मंदिर बरौर में सर्व यादव समाज के बैनर तले गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे विधि विधान के साथ गोवर्धन गिरी की पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान राधा कृष्ण की सुंदर और मनमोहक झांकी सजाई गई, जो पूरे नगर में भ्रमण के लिए निकाली गई। यह झांकी नाटेश्वरी मंदिर बरौर से दुर्गा चौक बरौर तक निकाली गई, जहां सर्व समाज के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

गोवर्धन पूजा उत्सव में आसपास के क्षेत्रों से आए भक्तजन ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर मां नाटेश्वरी मंदिर बरौर प्रांगण में भारी उत्साह और उमंग की झलक देखने को मिली। भक्त जनों ने गिरी गोवर्धन महाराज जी की पूजा अर्चना कर अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सर्व यादव समाज के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और गिरी गोवर्धन पूजा के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को बढ़ावा देती है। इस अवसर पर उपस्थित सभी भक्त जनों ने गोवर्धन महाराज जी की जय-जयकार की और अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सर्व यादव समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप यादव, जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष राधेश्याम यादव, सर्व यादव समाज मरवाही ब्लाक अध्यक्ष मयाराम यादव, कार्यक्रम के आयोजक रामखिलावन राजू यादव, जिला मीडिया प्रभारी सूरज यादव, महिला जिला कार्यकरणी अध्यक्ष अनीता यादव, महिला उपाध्यक्ष मीनाक्षी यादव, जिला कोषाध्यक्ष राजेश यादव, राधा कृष्ण मंदिर पुजारी विष्णु यादव, संरक्षक टिकाराम यादव, भैयालाल यादव, खूबचंद यादव बिकनु, शंकर यादव, मनफेर यादव, लालमन यादव, भगत यादव, मुरारी यादव, गोरख यादव, बृजलाल यादव और समस्त ग्रामीणजन गोवर्धन पूजा उत्सव में हिस्सा लिए।

कांग्रेस के लिए मजबूती से अपनी बात रखते थे स्व. शुक्ला

तखतपुर। नगर के वार्ड क्रमांक 12 के पूर्व पार्षद, कांग्रेस नेता अवधेश शुक्ला का गुरुवार की सुबह बिलासपुर अयोध्यानगर स्थित निवास में 71 वर्ष की आयु में हृदयाघात से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार कस्तूरबानगर स्थित मुक्तिधाम में किया गया, जहां बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे। स्व. शुक्ला मिलनसार व्यक्ति थे और कांग्रेस के लिए हमेशा ताल ठोक कर मजबूती से अपनी बात रखते थे। कुछ वर्ष पहले इनके पुत्र पार्षद मयंक शुक्ला की असमय अल्प आयु में हृदयघात से मृत्यु हो गई थी। इकलौते पुत्र के निधन से पिता अवधेश शुक्ला बहुत टूट गए थे। उप चुनाव में कांग्रेस से इन्हें किट दी, जहां जनता ने पिता को चुनाव जिताया। स्व. शुक्ला ने पूरी ईमानदारी से जनता की सेवा की। वे अपने पुत्र की मृत्यु के गम से उबर नहीं पाए थे। प्रतिवर्ष पुत्र की पुण्यतिथि पर वे वृद्धाश्रम, जरूरतमंद लोगों के बीच पहुंचकर बेटे की याद में सामग्री बांटते थे। बुधवार को उनके पुत्र की पुण्यतिथि थी और गुरुवार की सुबह अवधेश शुक्ला नहाकर अपने कमरे में बैठे थे तब इन्हें भी हृदयाघात से उनका निधन हो गया। उनका निधन से पूरा शहर एवं कांग्रेस कमेटी स्तब्ध है। वे सुशील शुक्ला, दिनेश शुक्ला के छोटे भाई, स्व. मयंक शुक्ला, मंजरी, मंजूषा के पिता एवं अखिलेश शुक्ला मिथिलेश शुक्ला डॉ. अमित शुक्ला, डॉ. गौरव शुक्ला (पूर्व कुलसचिव सीवी रमन यूनिवर्सिटी) साकेत शुक्ला, डॉ. निकेत शुक्ला, सूरज शुक्ला के चाचा थे।

कांग्रेस नेता अवधेश शुक्ला के निधन पर नेताओं ने जताया शोक

पटाखे को लेकर उपजे विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, जुर्म दर्ज

लोरमी। पटाखे को लेकर उपजे विवाद में दो पक्षों में जमकर मार पिटाई हो गई। पत्रकार का आरोप है कि उसके परिवार पर जानलेवा हमला हुआ है। पत्रकार की पत्नी सहित 5 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दूसरे पक्ष के 4 घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों के रिपोर्ट दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार ग्राम टेकनपारा में मंगलवार की रात लगभग 8 बजे मुख्य मार्ग पर पटाखा फोड़ने से उपजे विवाद में टेकनपारा निवासी पत्रकार प्रीतम दिवाकर उम्र 61 वर्ष पिता अघनु राम दिवाकर एवं उसकी पत्नी जमुना दिवाकर 58 वर्ष, पुत्र उमेश 25 वर्ष ओमप्रकाश 35 वर्ष , नरेन्द्र 24 वर्ष का थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है,की उसके घर मे घुसकर ग्राम बांधा निवासी राजकुमार घृतलहरे, दिलीप घृतलहरे,अर्जुन एवं अन्य के द्वार ,लाठी एवं रॉड,एवं धारदार नुमा वस्तु से जानलेवा हमला कर परिवार के 5 लोगो को बेदम पिटाई करते हुए गम्भीर रूप से घायल कर दिए,बताया जा रहा कि उग्र लोगो ने पिटाई देखकर घरों के दरवाजे बंद कर अपनी जान बचाई एवं पुलिस को सुचना दी जिनको आसपास की मदद से घायलों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 50 बिस्तर में भर्ती कराया गया। पुलिस ने राजकुमार घृतलहरे, दिलीप घृतलहरे,अर्जुन एवं अन्य के खिलाफ धारा 296,115(2),351,(2),333, 3,5 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया। इधर थाने में दूसरे पक्ष के ग्राम बांधा जुनापारा चौकी तहसील तखतपुर निवासी राजकुमार घृतलहरे 22 वर्ष पिता दिलीप घृतलहरे निवासी बांधा प्राथी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्राथी घायल ,भाई देवकुमार घृतलहरे 19 वर्ष, नील कुमार 30 वर्ष पिता मोहित घृतलहरे, प्रार्थी के पिता दिलीप घृतलहरे 45 वर्ष घायलों में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया। मारपीट में इस पक्ष के चार लोग घायल बताया जा रहा है,जिनको पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराया है। पुलिस ने प्राथी राजकुमार घृतलहरे की रिपोर्ट पर उमेश दिवाकर, प्रीतम दिवाकर, बॉबी दिवाकर, पिंटू दिवाकर के खिलाफ धारा,296, 115,(2),351,(2) ,3,5 बीएनस के तहत अपराध दर्ज किया है।

बाल मंदिर में विराजित की गई लक्ष्मी की प्रतिमा

मुंगेली। दीपावली पर धनतेरस के दिन शहर के प्रमुख मंदिरों मे पूजा तथा पंडालों में धन और समृद्धि की देवी माता महालक्ष्मी की प्रतिमाओं की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा रामगोपाल तिवारी वार्ड बाल मंदिर में की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक अनुष्ठानों के बीच यह प्रतिष्ठा महोत्सव पूर्ण श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिसमें दीपावली के दिन महाआरती एवं दीपदान का आयोजन किया गया था। इस पांच दिवसीय पर्व में पांचवे दिन हवन पूजन किया गया।

सीएम ने दी विधायक मरपच्ची की माता को श्रद्धांजलि

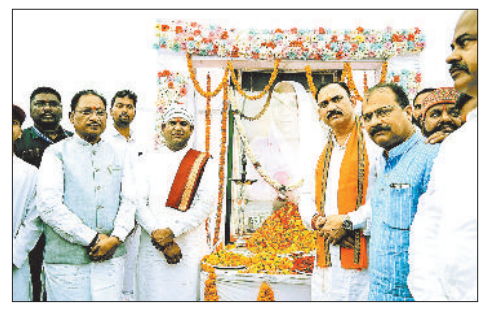

भर्रीडांड़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मरवाही विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रणव कुमार मरपच्ची की माता स्व. श्रीमती चंदन बाई मरपच्ची की तेरहवीं एवं श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। विधायक श्री मरपच्ची के गृह ग्राम ऐंठी में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री श्री साय ने विधायक की माता के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष समीरा पैकरा एवं उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी, आईजी संजीव शुक्ला, पुलिस अधीक्षक एसआर भगत, डीएफओ ग्रीष्मी चांद, जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे, प्रभारी अपर कलेक्टर अमित बैक, पूर्व विधायक डॉ केके ध्रुव एवं पहलवान मरावी साहित अनेक जन प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

तखतपुर विखं अंतर्गत 3 नई सहकारी समितियों का गठन

तखतपुर। सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना सहकार से समृद्धि के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा बिलासपुर जिले की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की पुनर्गठन योजना 2025 के अंतर्गत 114 विद्यमान समितियों में से 15 समितियों का पुनर्गठन कर 16 नवीन सहकारी समितियों का गठन किया गया है। इसमें तखतपुर विकासखंड के अंतर्गत 3 समिति लमेर, कोडापुरी, पडरिया का गठन किया गया है। इन समितियों के गठन का उद्देश्य कृषकों को निवासरत ग्राम से कम से कम दूरी में केसीसी ऋण अंतर्गत नकद, खाद, बीज, उपभोक्ता सामाग्री वितरण, की सुविधा उपलब्ध कराना है। इन समितियों का पंजीयन कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता बिलासपुर द्वारा किया गया है।

सहकार से समृद्धि योजना अंतर्गत सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का कम्प्यूटराइजेशन किया गया है, जिससे की समस्त समितियां तकनीकी रूप से सक्षम होकर अपने सदस्यों को त्वरित रूप से सुविधाए उपलब्ध करा सकें। छग शासन के नेतृत्व में निर्धारित कार्य योजना के अनुसार बिलासपुर जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में बहुउद्देशीय पैक्स, दुग्ध, मत्स्य, वनोपज सहकारी समितियों का गठन किया जा रहा है, जिससे आम लोगों तक सहकारिता का विस्तार हो एवं जीवन स्तर में प्रगति हो सके।

निधन

गोविंद सीताराम शिल्लेदार

बिलासपुर। नया सरकंडा निवासी गोविंद सीताराम शिल्लेदार का निधन हो गया। वे 90 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार 20 अक्टूबर को सरकंडा मुक्तिधाम में किया गया। वे संदीप शिल्लेदार, आशीष, आलोक, निरंजन के पिता थे।

सावित्री क्षत्री

बिलासपुर। ग्राम उमरिया निवासी सावित्री क्षत्री का 20 अक्टूबर को निधन हो गया। वे 68 वर्ष की थीं। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम उमरिया में किया गया। वे गुलाब सिंह क्षत्री की धर्मपत्नी और आशीष व मालती सिंह की मां थीं।

श्याम राव बंसोड

बिलासपुर। राज किशोर नगर निवासी श्याम राव बंसोड का आज निधन हो गया। वे 54 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार 24 अक्टूबर को सुबह 11 बजे राजकिशोर नगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे आशीष बंसोड़ और रुचिका बंसोड़ के पिता थे।

राम सिंह मेहरोलिया

बिलासपुर। टिकरापारा निवासी राम सिंह मेहरोलिया का 23 अक्टूबर को निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार 24 अक्टूबर को सुबह 11 बजे उनके निवास से दयालबंद मुक्तिधाम मधुबन के लिए निकलेगी। वे राजा मेहरोलिया के पिता और प्रेम (राजू) मेहरोलिया के भाई थे।

प्रहलाद द्विवेदी

तखतपुर। ग्राम करही मोढ़े निवासी प्रहलाद द्विवेदी 70 वर्ष का 23 अक्टूबर को निधन हो गया। वे प्रदीप शर्मा गुरुजी के पिता थे। इनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम करही में किया गया।

एसईसीएल गेवरा खदान से प्रभावित भूविस्थापित किसान सभा के नेतृत्व में कर रहे थे प्रदर्शन

भूविस्थापितों पर सीआईएसएफ के जवानों ने किया लाठी चार्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल गेवरा खदान से प्रभावित भूविस्थापित रोजगार, बसाहट, मुआवजा सहित अन्य मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ किसान सभा के नेतृत्व में खदानबंद आंदोलन कर रहे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में सीआईएसएफ व पुलिस बल की तैनाती की गई थी। आंदोलन को देखते हुए एसईसीएल के अधिकारी आंदोलनकारियों को वार्ता के लिए बुला रहे थे। इसी दौरान अचानक किसी बात को लेकर माहौल गरमा गया और देखते ही देखते सीआईएसएफ के जवानों ने भूविस्थापितों पर लाठी चार्ज कर दिया। सीआईएसएफ के लाठी चार्ज से कई भूविस्थापितों को चोट पहुंची है। जिसके बाद आक्रोशित भूविस्थापितों ने दीपका थाना में सीआईएसएफ जवानों के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग करने लगे। पुलिस ने मामले में शिकायत के बाद जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ किसान सभा के नेतृत्व में गेवरा क्षेत्र से प्रभावित गांवों के भूविस्थापित रोजगार, बसावट, मुआवजा की मांगों के सकारात्मक समाधान के लिए एसईसीएल के गेवरा खदान में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। इस दौरान प्रदर्शन शांति पूर्ण चल रहा था और एसईसीएल के अधिकारी भूविस्थापितों को वार्ता के लिए बुला रहे थे। इसी बीच सीआईएसएफ के अधिकारी ने भूविस्थापितों के साथ अभद्रता पूर्वक व्यवहार करने लगे, जिसका विरोध करने पर सीआईएसएफ के जवानों को लाठीचार्ज का आदेश दे दिया।

खदान के भीतर भूविस्थापितें पर लाठी चार्ज करती सीआईएसएफ के जवान।

कार्य में व्यवधान करने पर सीआईएसएफ ने रोका

एसईसीएल के पीआरओ सतीश चंद्र ने कहा है कि आज प्रातः लगभग 10 से 11 बजे के बीच गेवरा खदान में गांव नरईबोध और मठोरा की तरह से कुछ प्रदर्शनकारी खदान क्षेत्र में पहुंच गए और वहां उन्होंने जो कोयला उत्पादन की गतिविधि और ओबी भी निष्काषन की गतिविधि होती है उसे भी बाधित करने की कोशिश की गई। सभी जानते हैं कि यहां पर जो कोयला निष्कासन की जो प्रक्रिया होती है उसमें भारी मशीनें एजीएमएम चलती हैं और जो यह खदान का क्षेत्र है प्रतिबंधित क्षेत्र होता है। जिसमें हमारे अपने कामगार साथी भी वहीं जाते हैं, जिनकी ड्यूटी लगी होती है। ऐसे में प्रदर्शनकारियों द्वारा कार्य व्यवधान किए जाने पर हमारे सीआईएसएफ के जवानों ने प्रदर्शनकारियों को रोका है तथा काम में बाधा डालने वाले जो प्रदर्शनकारी थे उनको वापस भेजने का भी प्रयास किया गया। हम पुनः सभी लोगों से अपील करेंगे कि वे कृपया खदान के भीतर जो निषेध क्षेत्र है वहां भारी मशीनें चलती है, उसके आसपास न जाएं। वहां जाकर मशीनों को बंद कराने का प्रयास जोखिम भरे हैं और ये वैधानिक भी नहीं है। खदान के क्षेत्रों में इस प्रकार के लोगों के घुस जाने से राष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति के लिए जो चौबीस घंटे का कार्य संचालन होता है उसमें भी बाधा आएगी और लॉ इन आर्डर के हिसाब से और लोगों की सुरक्षा के हिसाब से किसी भी अन्य परिपेक्ष्य में यह तर्कसंगत और उचित प्रतीत नहीं होती है। अतः समस्त लोगों से अपील करेंगे कि वे खदान क्षेत्र में न जाएं और इस प्रकार के गतिविधियों से बचें।

खबर संक्षेप

हावड़ा-नागपुर चलेगी जनरल कोच स्पेशल आज

बिलासपुर। हावड़ा से नागपुर के बीच एक तरफ के लिए अन रिजर्व्ड स्पेशल ट्रेन की सुविधा यात्रियों के लिए दी जा रही है, जिसमें हावड़ा से आने वाले यात्रियों को आरामदायक सफर की सुविधा मिल सकेगी। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार हावड़ा एवं नागपुर के बीच चलने वाली ट्रेनों में यात्रियों की काफी भीड़ रहती है, जिसके कारण यात्री स्लीपर कोच में भी बुकिंग कराने के बाद भी खड़े होकर सफर करते हैं। इसे देखते हुए रेल प्रशासन ने हावड़ा एवं नागपुर के बीच एक तरफ स्पेशल ट्रेन 01066 हावड़ा-नागपुर अन रिजर्व्ड स्पेशल ट्रेन का परिचालन 24 अक्टूबर शुक्रवार को कर रही है। इस ट्रेन में 2 एसएलआर, 16 सामान्य सहित 18 कोच की सुविधा यात्रियों के लिए होगी। समय सारिणी के अनुसार ट्रेन शुक्रवार को हावड़ा से 21.30 बजे रवाना होकर खड़गपुर जंक्शन, टाटानगर, चक्रधरपुर, राउरकेला, झारसुगुड़ा, रायगढ़ होते हुए बिलासपुर दूसरे दिन शनिवार 25 अक्टूबर की सुबह 10.40 बजे आने के उपरांत 10.45 बजे छूटकर रायपुर, दुर्ग, गोंदिया होकर नागपुर शाम 18.20 बजे पहुंचेगी।

इलाज के दौरान कैदी की मौत, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर। इलाज के दौरान सिम्स में एक कैदी की मौत हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मृत्यु के कारणों का खुलासा हो पाएगा। पुलिस जांच में जुट गई है। सिविल लाइन पुलिस के अनुसार, सेंट्रल जेल में बंद कैदी अजय कुमार नागेसिया पिता रामलाल 25 साल सजा काट रहा था। कुछ दिनों पूर्व वह कोरबा जेल से इलाज के लिए सेंट्रल जेल तबादला में आया था। जेल प्रशासन के द्वारा उसे इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया था। गुरूवार को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई है। पुलिस ने शव मरच्यूरी में रखकर परिजन को सूचित कर दिया है। परिजन के आने पर पोस्टमार्टम की कार्रवाई होगी।

मोमबत्ती जलाकर जुआ खेलते 6 जुआरी धरे गए

बिलासपुर। पुलिस ने मोमबत्ती की रोशनी में जुआ खेलते 6 जुआरियों को गिरफ्तार कर मुचलका जमानत पर छोड़ दिया है। बुधवार की रात सिविल लाइन पुलिस को सूचना मिली 27 खोली गुरूतेज बहादूर स्कूल के पास जुआरी एकत्रित होकर जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर मोमबत्ती की रोशनी में जुआ खेलते देवराज यादव, सौरभ सिंह, सतीश साहू, वेदप्रकाश कोसले, अभिषेक एक्का, बल्लू सूर्यवंशी को पकड़कर 1280 रुपए जब्त किया गया है। पुलिस ने जुआरियों को गिरफ्तार कर मुचलका जमानत पर छोड़ दिया है।

सैनिक स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन 30 तक

बिलासपुर। सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 अक्टूबर शाम 5 बजे तक कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित की जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी एनटीए की आधिकारिक वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एनटीए डॉट एसी डॉट इन पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

नामांकन पत्रों की जांच एवं सूची का प्रकाशन 27 को

बिलासपुर। श्री राम मछुवा सहकारी समिति मर्या. भीमपुरी एवं अविनाश प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार मर्यादित लोको कॉलोनी का निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसके अनुसार निर्वाचित किये जाने वाले सदस्यों की कुल संख्या 11 होगी। नामांकन पत्र 25 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच एवं सूची का प्रकाशन 27 अक्टूबर को होगी।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
07752-401052 , 8770748558
9754160620, 9691735152

24 घंटे का सफर और ट्रेनों में नहीं है पेंट्रीकार | **यात्रियों को चलती ट्रेन में पीने के लिए पानी भी नसीब नहीं**

छठ पूजा में बिहार जाने वाले यात्री तरसते हैं पानी के लिए

बिलासपुर। जोन से रवाना होने और गुजरने वाली मुख्य ट्रेनों में सारनाथ, जम्मूतवी, गोंडवाना और चेन्नई एक्सप्रेस में यात्रियों का एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पहुंचने का सफर 24 घंटे से अधिक का रहता है। इसके बावजूद इन मुख्य ट्रेनों में रेल प्रशासन और आईआरसीटीसी की ओर से पेंट्रीकार की सुविधा नहीं दी जाती है, जिसके कारण छठ पर्व में बिहार, उत्तरप्रदेश और छपरा की ओर जाने वाले यात्रियों को चलती ट्रेन में पीने के लिए पानी भी नसीब नहीं हो पाता है।

रेलवे बोर्ड यात्रियों को आसपास के छोटे और बड़े स्टेशनों तक सफर करने के साथ लंबी दूरी तक आने-जाने के लिए भी यात्री ट्रेनों का परिचालन कर रही है। बोर्ड के अनुसार लंबी दूरी की ट्रेनें जिसमें एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक जाने का समय 24 घंटे से अधिक का होता है, उन ट्रेनों में यात्रियों के खान-पान की सुविधा के लिए एक पेंट्रीकार के कोच भी लगाए जाते हैं। यात्रियों को स्टेशनों के साथ बीच सफर के दौरान पेंट्रीकार से भोजन, नाश्ता, चाय, काफी के साथ पीने का पानी भी मिल जाता है। एसईसीआर जोन बिलासपुर के साथ उसलापुर दो प्रमुख स्टेशन हैं। इसमें बिलासपुर रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन हावड़ा से मुम्बई के बीच चलने वाली एक्सप्रेस, सुपरफास्ट, दूरंतो के

जनशताब्दी में सुविधा: गोंडवाना, गरीब रथ, सारनाथ सहित करीब पांच से 6 ट्रेनें ऐसी हैं, जिसमें यात्रियों की सभी कोच में काफी भीड़ होती है। यह ट्रेन उत्तरप्रदेश, बिहार, नई दिल्ली तक आना-जाना करती हैं। इन ट्रेनों का एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पहुंचने का समय भी फिक्स है, जिसके बावजूद ट्रेनें किसी न किसी कारणवश लेट होती हैं। इसका खामियाजा यात्रियों को भूखे प्यासे रहकर भुगतना पड़ रहा है। मुख्य ट्रेनों के बजाय रेलवे ने प्रतिदिन रायगढ़ से बिलासपुर, रायपुर होकर गोंदिया तक आने-जाने वाली और दूसरी बिलासपुर से नागपुर के बीच 5.30 घंटे में सफर तय करने वाली वंदेभारत में पेंट्रीकार की सुविधा प्रदान की है।

अलावा दूसरे मेट्रो के लिए ट्रेनों का आवागमन होता है। वहीं उसलापुर रेलवे स्टेशन से गोंदिया, दुर्ग, रायपुर से बिलासपुर के बजाय ट्रेनें कटनी की ओर रवाना की जाती हैं। इन ट्रेनों के एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पहुंचने का समय 24 घंटे और उससे भी अधिक हो जाता है। हावड़ा से मुम्बई के बीच चलने वाली ट्रेनों के अलावा बिलासपुर से रवाना की जाने वाली बिलासपुर-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, बिलासपुर-पुणे एक्सप्रेस, बिलासपुर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए रेल प्रशासन ने पेंट्रीकार कोच की सुविधा तो प्रदान कर दी है। वहीं कुछ मुख्य ट्रेनें दुर्ग से छपरा की ओर आने-जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस, रायगढ़ से बिलासपुर, रायपुर होकर निजामुद्दीन जाने वाली गोंडवाना एक्सप्रेस, प्रति बुधवार को उसलापुर होकर चलने वाली दुर्ग-जम्मूतवी विस्तारित ऊधमपुर एक्सप्रेस, गोंदिया से बरौनी के बीच चलने वाली एक्सप्रेस और बिलासपुर-चेन्नई एक्सप्रेस, रायपुर-लखनऊ गरीबरथ हैं, जिसमें सफर करने वाले यात्रियों को एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक सफर तय करने में 30 घंटे से अधिक का समय लग जाता है। इसमें भोजन और नाश्ता तो दूर यात्री पीने के पानी के लिए तरसते हैं।

365 दिन फुल रहती है सारनाथ

जोन से चलने वाली सारनाथ एक्सप्रेस का परिचालन दुर्ग से छपरा के बीच प्रतिदिन होता है, जो वर्तमान में बिलासपुर के बजाय उसलापुर से होकर चल रही है। यह एक ऐसी ट्रेन है, जिसमें साल के 365 दिन यात्रियों की भीड़ जनरल कोच के साथ स्लीपर और एसी कोच में रहती है। सबसे अधिक बर्थ की मारामारी छठ पर्व के दौरान दिखाई देती है, जिसमें बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों को कंफर्म बर्थ तो दूर पीने का पानी भी नसीब नहीं हो पाता है।

रेलवे तय करती है

आईआरसीटीसी के अनुसार किस ट्रेन में पेंट्रीकार लगाना है या किस ट्रेन में सबसे अधिक आवश्यकता है। इस आईआरसीटीसी के बजाय रेल प्रशासन तय करती हैं। गोंडवाना सहित अन्य ट्रेनें हमारी जोन की नहीं हैं, जिसके कारण संभवतः उसमें पेंट्रीकार लगाना या नहीं लगाना संबंधित जोन पर निर्भर है।

अटल पथ के नाम से जानी जाएगी सड़क, निगम ने किया सड़क के लिए नया टेंडर

नगरोत्थान योजना से बनेगी रिवर व्यू की अधूरी सड़क, जारी होगा वर्क आर्डर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

अरपा उत्थान एवं तट संवर्धन के तहत स्मार्ट सिटी से रिवर व्यू स्थित बांई ओर की सड़क का निर्माण होना था, जिसका काम अधूरा पड़ा हुआ है। स्मार्ट सिटी तहत इस अधूरी सड़क का निर्माण अब नगरोत्थान योजना अंतर्गत पूरा किया जाएगा और इसके लिए नगर निगम ने 6.9 करोड़ राशि का नया टेंडर भी कर दिया है और वर्क आर्डर की प्रक्रिया चल रही है।

रिवर व्यू स्थित इस बांई ओर सड़क का नामकरण अटल पथ के नाम पर किया जाएगा और इस सड़क को अटल पथ के नाम से जाना जाएगा। स्मार्ट सिटी का यह अधूरा काम अब नगर निगम द्वारा नगरोत्थान योजना से पूरा किया जाएगा। अरपा उत्थान एवं तट संवर्धन योजना तहत स्मार्ट सिटी से रिवर व्यू स्थित बांई ओर सड़क का निर्माण होना था, किन्तु संबंधित ठेका कंपनी द्वारा काम ही नहीं किया जा रहा था और लंबे समय से काम बंद पड़ा था, इसलिए स्मार्ट सिटी द्वारा इस बांई ओर सड़क का ठेका ही निरस्त कर दिया गया है और उस सड़क को पूरा करने के लिए नगर निगम की ओर से नगरोत्थान योजना अंतर्गत नया टेंडर किया गया। इसमें 6.9 करोड़ राशि का जो टेंडर आया था वह रेट भी स्वीकृत हो गया है और वर्क आर्डर की प्रक्रिया चल रही है। वर्क आर्डर जारी होते ही इंदिरा सेतु से नया पुल तक चौड़ी सड़क का निर्माण कराया जाएगा।

स्मार्ट सिटी से रिवर व्यू स्थित बांई ओर की सड़क निर्माण का काम अधूरा।

ठेका कंपनी पर की गई पेनाल्टी

स्मार्ट सिटी ने अरपा उत्थान एवं तट संवर्धन योजना के तहत नदी की बांई ओर इंदिरा सेतु से पुराना पुल तक निर्माणाधीन सड़क कार्य को लटकाए रखने वाले ठेका कंपनी मेसर्स गणपति इंफ्रास्ट्रक्चर का ठेका निरस्त करते हुए उसपर 3 करोड़ रुपए की पेनाल्टी भी की गई है। स्मार्ट सिटी तहत अरपा उत्थान एवं तट संवर्धन योजना अंतर्गत नदी की बांई ओर सड़क का काम ठेका कंपनी द्वारा लटकाकर रखा गया था। योजना के दूसरे चरण में 49 करोड़ 94 लाख रुपए की लागत से इस नदी की बांई ओर समतलीकरण, रिटेनिंग वॉल, नाला, सड़क समेत अन्य कार्य किए जाने थे। इसके लिए मेसर्स गणपति इंफ्रास्ट्रक्चर को कार्यादेश जारी किया गया था। समयावधि बीत जाने के बावजूद ठेका कंपनी द्वारा काम को पूरा नहीं किया।

पहले दिया गया था एक्सटेंशन

इस कार्य के लिए स्मार्ट सिटी की ओर से पहले ठेका कंपनी को एक्सटेंशन दिया गया था। लेकिन उसके बाद भी ठेका कंपनी द्वारा कार्य पूर्ण करने रूचि नहीं दिखाई गई। इस कार्य की धीमी रफ्तार लेटलतीफी को देखते हुए स्मार्ट सिटी की ओर से 2 अप्रैल 2025 को गणपति इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी पर 37 लाख 50 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया था और नोटिस जारी किया गया था। अर्थदंड लगाए जाने और नोटिस के बाद भी कार्य में प्रगति नहीं लाने पर कार्य की नियम शर्तों के अनुरुप 6 प्रतिशत की दर से गणपति इंफ्रास्ट्रक्चर पर 2 करोड़ 99 लाख रुपए का अर्थदंड लगाया गया और ठेका निरस्त करते हुए उक्त कार्य के लिए नया टेंडर जारी किया गया है। ठेका निरस्तीकरण के बाद नया टेंडर करने पर नियमानुसार पूर्व ठेका कंपनी मेसर्स गणपति इंफ्रास्ट्रक्चर पर शेष राशि के कार्य का दस प्रतिशत 11 लाख 32 हजार अतिरिक्त अर्थदंड लगाया गया है। इस प्रकार कुल 3 करोड़ 10 लाख 32 हजार रुपए का अर्थदंड मेसर्स गणपति इंफ्रास्ट्रक्चर पर निरूपित किया गया।

वर्क आर्डर जारी होना है

रिवर व्यू में बांई ओर इंदिरा सेतु से नया पुल तक नगरोत्थान योजना तहत सड़क का निर्माण होना है। इस सड़क के लिए स्मार्ट सिटी से जो पुराना टेंडर था वह निरस्त हो चुका है और अब नया टेंडर हो चुका है तथा वर्क आर्डर जारी होना है।

-एसपी साहू, कार्यपालन अभियंता, नगर निगम

शिकायत के बाद भी नहीं पहुंचा बिजली अमला

मधुबन में बने आवास में दिन भर दौड़ता रहा करंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

दयालबंद क्षेत्र में बने मधुबन आवास के ब्लॉक जे में गुरूवार की सुबह आवास में करंट दौड़ने लगा। शार्ट सर्किट के कारण 25 से अधिक घरों में अंधेरा छा गया।

■ मधुबन आवास के जे ब्लॉक की घटना।

खास बात यह है कि शिकायत के बाद भी अमला नहीं पहुंचा, अधिकारियों को शिकायत मिलने के बाद शाम 7 बजे बिजली सप्लाई नार्मल हो सकी।

मधुबन में बने पीएम आवास में 29 परिवार रह रहा है। गुरूवार को रोज की तरह लोग अपने घरों में आराम कर रहे थे, अचानक लोगों को लगा कि घर की दीवारों पर करंट दौड़ रहा है। इसके बाद अचानक लोगों के घरों की बिजली गुल हो गई। लोगों को लगा कि बिजली मेंटनेंस के चलते बंद की गई है, लेकिन कुछ घरों में सप्लाई थी। ऐसे में लोगों ने फ्यूज कॉल को इसकी जानकारी दी लेकिन दोपहर बाद भी कर्मचारी नहीं पहुंचे। शाम को रहवासियों ने पार्षद रामा बघेल से

इसकी शिकायत की। आला अधिकारियों को भी जानकारी दी गई इसके बाद शाम 7 बजे के बाद सप्लाई नार्मल हो सकी। खास बात यह है कि 24 घंटे ड्यूटी में मुस्तैद रहने वाले बिजली कर्मचारियों को घंटों बाद भी मरम्मत का समय नहीं मिला, अधिकारियों की फटकार के बाद कर्मचारियों ने सुधार कार्य किया है।

हो सकता था हादसा

आवास के एक घर में करंट दौड़ रहा था, समय रहते लोगों की सजगता के चलते बड़ा हादसा टल गया। लोगों का आरोप है कि यहां आएं दिन बिजली बंद होने की नौबत आती है, वहीं बिजली अधिकारी और कर्मचारी लोगों की शिकायत पर ध्यान नहीं देते हैं।

जीजीयू के तालाब में युवक की लाश मिलने से सनसनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

जीजीयू के तालाब में एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। शव बाहर निकालकर मरच्यूरी में रखवा दिया गया है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

कोनी पुलिस के अनुसार, गुरूवार की शाम लोगों को जीजीयू के तालाब में एक युवक की लाश दिखी। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसडीआरएफ टीम के सहयोग से युवक की लाश तालाब से बाहर निकाला गया। आसपास के लोगों को तलब कर पहचान कराने का प्रयास किया गया, किन्तु मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने

शव सिम्स के मरच्यूरी में रखवा दिया और पहचान के प्रयास में लगी हुई है। जीजीयू के अंदर तालाब में लाश मिलने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लग गया है। आखिरकार मृतक जीजीयू के अंदर कैसे घुस गया।

युवक पर चाकू से हमला, आरोपी फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

जुआ खेलने के लिए पैसा देने से मना करने पर नशेड़ी युवक ने एक युवक पर चाकू से जान लेवा हमला कर दिया। चाकूबाजी की वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस हमलावर को नहीं पकड़ पाई है।

तारबाहर पुलिस के अनुसार, तारबाहर निवासी मोहम्मद आदिल कुरैशी पिता मोहम्मद हनीफ कुरैशी 22 अक्टूबर को रात 10.30 बजे डीपूपारा किराना दुकान में सामान खरीदने गया था। इसी दौरान नशे की हालत में शहनवाज खान ने उसके पास आकर जुआ खेलने के लिए पैसा मांगा। उसने पैसा देने से मना किया तो शहनवाज खान गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए चाकू से हमला कर दिया। चाकूबाजी की वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आनन फानन में घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने आदिल कुरैशी की रिपोर्ट पर हमलावर के खिलाफ सधारण बीएनएस की धारा 115, 2, 296, 351, 2 के तहत जुर्म दर्ज कर खानापूर्ति कर लिया है। पुलिस हमलावर को नहीं पकड़ पाई है।

सरकण्डा में भी चला चाकू, जुर्म दर्ज

सरकण्डा पुलिस के अनुसार, भूकंप अटल आवास बहतराई निवासी मनीष बक्सेल ने रिपोर्ट लिखाई। 2 अक्टूबर की रात 11.30 बजे उसकी बहन अपने घर के पास बैठी थी। इसी दौरान उसका जीजा सुजल चिन्ना नशे में किसी लड़की को साथ लेकर आया। उसकी बहन ने लड़की को घर लाने से मना किया तो जीजा गाली गलौज करते हुए चाकू से जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने लगा। मनीष बक्सेल बीच बचाव करने गया तो उसने उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने हमलावर के खिलाफ साधारण मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है।

एनआरसी खाली, सोमवार से होगी बच्चों की भर्ती

बिलासपुर। जिला अस्पताल में संचालित पोषण पुनर्वास केन्द्र इन दिनों खाली है। दीपावली की छुट्टी के चलते एक भी बच्चा भर्ती नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि सोमवार से बच्चों की भर्ती की जाएगी।

कुपोषित बच्चों को स्वस्थ जीवन देने के लिए जिले में चलाए जा रहे पोषण पुनर्वास केन्द्र में पिछले 6 दिनों से एक भी बच्चे की एंट्री नहीं हो सकी है। दीपावली पर्व के चलते सभी बच्चों को छुट्टी दे दी गई है। जिला प्रशासन व रेडक्रास के द्वारा लाखों रूपए खर्च कर इसके संवारा गया है, पहले की तुलना में काफी बेहतर परिवेश में बच्चे 15 दिनों तक पोषण आहार के सहारे इलाज करवाते है, लेकिन इन दिनों वीरान पड़ा है। खास बात यह है कि यहां बच्चों को विशेष पोषण आहार जैसे थेराप्यूटिक फूड, फार्मूला मिल्क, दलिया, खिचड़ी, हलवा, इडली खिलाया जाता है, उनके मनोरंजन के लिए प्लेइंग एरिया व टीवी भी लगाई गई है। यहां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, एएनएम और चिरायु टीम के द्वारा 25 बच्चों को भर्ती किया जा सकता है। सोमवार से बच्चों की चहलकदमी शुरू हो जाएगी।

एयर फिल्टर सिस्टम के लिए मिले सवा 4 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सिम्स में मरीजों को साफ और जीवाणुमुक्त हवा उपलब्ध कराने प्रबंधन ने बड़ा फैसला किया है।

■ प्रबंधन ने भेजा सरकार के पास प्रस्ताव

सिम्स में एयर फिल्टर सिस्टम लगाने का प्रस्ताव बनाया है, इसके लिए प्रबंधन और जिला प्रशासन की मेहनत के बाद एसईसीएल ने 4 करोड़ की राशि भी दी है। प्रबंधन अब शासन से इसे लगाने के लिए स्वीकृति की उम्मीद कर लगाए बैठा है, जिसके बाद सिम्स में 96 एयर फिल्टर सिस्टम लगाया जा सकेगा।

आ ई सी यू, ए न आ ई सी यू, सर्जिकल वार्ड, गायनिक वार्ड जैसे वार्ड काफी संवेदनशील होते है, इन वार्डों में जीवाणु फैलने का अंदेशा बना रहता है। जानकारों के अनुसार (एयरो साव्ल)जीवाणु युक्त कण की मात्रा बढ़ने पर मरीज और परिजनों को भी इसके प्रभाव से परेशानी हो सकती है। जिसे लेकर प्रबंधन ने एयर स्टेलाइजर के तौर पर एयर फिल्टर सिस्टम लगाने का प्रस्ताव जिला प्रशासन को दिया था, जिला प्रशासन की ओर से सीएसआर मद द्वारा फंड की व्यवस्था कराई गई है। बताया जा रहा है कि एसईसीएल ने 4 करोड़ 36 लाख रूपए फंड दे दिया है, लेकिन इसके मेंटनेंस और मरम्मत के लिए भी फंड की आवश्यकता होगी, जिसके लिए शासन से स्वीकृति ली जानी आवश्यक है।

सिम्स प्रबंधन ने हाल ही में इसके लिए शासन स्तर पर पत्र प्रेषित की है। अधिकारियों को उम्मीद है कि शासन से इसकी स्वीकृति भी मिल जाएगी। इसके बाद ही सिम्स में 96 एयर फिल्टर सिस्टम लगाए जा सकेंगे।

प्रदेश का पहला अस्पताल

जानकारों के अनुसार एयर फिल्टर सिस्टम लगाने का वाला सिम्स पहला अस्पताल होगा, प्रदेश में अबतक किसी भी सरकारी अस्पताल में यह सिस्टम नहीं लगाया गया है। डीन डॉ रमेणश मुर्ति और अधीक्षक डॉ लखन सिंह की परिकल्पनाओं के चलते यह संभव हो सका है।

इसलिए है जरूरी

अधिकारियों के अनुसार रोग प्रतिरोधी क्षमता की कमी, गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को एयरो साल्व से परेशान होना पड़ सकता है। खास बात यह है कि नवजात बच्चों को भी कभी-कभी इससे कारण गंभीर परेशानी झेलनी पड़ती है, ऐसे में प्रबंधन ने मरीजों के स्वास्थ्य को लेकर बड़ा फैसला किया है।

पत्र भेजा गया है

जीवाणुयुक्त कण की मात्रा में बढ़ोत्तरी मरीजों में गंभीर परिणाम ला सकते हैं। बड़े शहरों में इस उपकरण का उपयोग किया जाता रहा है और इसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। हमने भी इसके लिए प्रस्ताव प्रशासन को दिया था, जिसके लिए फंड की स्वीकृति मिल गई है। सरकारी अस्पताल और मेडिकल कालेजों में उपकरण स्थापना से पहले शासन से स्वीकृति ली जानी आवश्यक है, इसलिए शासन को पत्र भेज दिया गया है।

-डॉ रमणेश मूर्ति, डीन, सिम्स